पौष कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 159 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
12 दिसंबर 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
26.4 अधिकतम
6.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

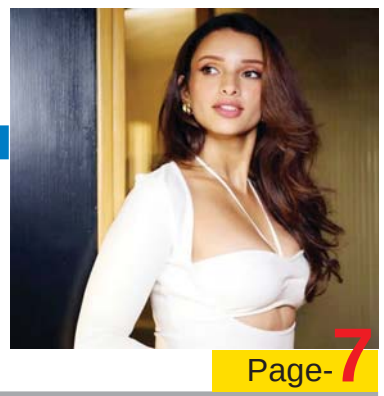

Page-7

मोहन यादव सरकार के दो साल | नक्सली समस्या का खात्मा बड़ी सफलता

मुख्यमंत्री बोले - सहज औद्योगिक नीति के साथ निवेश व रोजगार हमारी प्राथमिकता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दो साल के कार्यकाल को लेकर आज मीडिया से रु-ब-रु हुए और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सरकार की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया। इनमे खास तौर पर उद्योग, कृषि, पर्यटन, शहरी विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर किए गए काम शामिल हैं। डॉ यादव ने अपने कार्यकाल को 'सेवा और विकास के दो वर्ष' नाम देते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के लोगों का जीवन स्तर बेहतर करने का भरसक प्रयास किया है।

डॉ. यादव ने प्रदेश में नक्सल समस्या के समापन को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा तय की गई समय सीमा से पहले ही हमने टारगेट पूरा कर लिया है और 35 साल पुरानी समस्या समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का सीएम ने खासतौर पर जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस पार्क में तीन लाख लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही 6 लाख कपास किसानों को लाभ मिलेगा। सरकार ने निवेश और औद्योगिक विकास का एक नया इकोसिस्टम बनाते हुए 18 नई नीतियों को मंजूरी दी है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, राष्ट्रीय इंटरैक्टिव सेशन एवं विदेश यात्राओं से 32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमे से 8.57 लाख करोड़ के प्रस्ताव धरातल पर आ चुके हैं। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश एक साल में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव लाने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया है। हमने निवेश को सरल, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए 'एमपी इंवेस्ट पोर्टल 3.0' लॉन्च किया है। सहज उद्योग नीति के साथ सरकार का फोकस रोजगार बढ़ाने पर है। इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ का भुगतान किया जाना भी उल्लेखनीय है। शहरी क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी कई योजनाएं धरातल पर आई हैं। भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत 550 से अधिक शहरी ई-बसों का होगा संचालन किया जाना है। हवाई परिवहन से अछूते प्रदेश के कई शहरों को अब यह सुविधा मिलने लगी है। इनमे रीवा, दतिया और सतना शामिल हैं। इसी तरह नए 8 हवाई अड्डे जोड़े गए हैं।

प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते मुख्यमंत्री मोहन यादव। साथ है उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा (बाएं) और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल।

24 महीने की उपलब्धियां और आगे की राह...

नदी जोड़ो परियोजना

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की पहली नदी-जोड़ो केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि-पूजन किया गया है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को लेकर त्रि-पक्षीय समझौता कर तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए महाराष्ट्र के साथ एमओयू हो चुका है। 2489 करोड़ से अधिक की लागत से तराना में नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण हुआ है।

इंदौर मेट्रो शुरू, भोपाल में जल्द

शहरी परिवहन के लिए मेट्रो रेल का संचालन इंदौर में शुरू हो गया है। इसे जल्द ही भोपाल में भी शुरू कर दिया जाएगा। आधुनिक नगरीय विकास के तहत दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। पहला- इंदौर-उज्जैन-देवास-धार और दूसरा- भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा विकसित विकसित होंगे।

सुलभ होती स्वास्थ्य सेवाएं

मुख्यमंत्री बोले- कहते हैं कि पहला सुख निरोगी काया। हमने कोशिश की है कि हर व्यक्ति निरोगी रहे। उनका स्वास्थ्य बेहतर रहेए इसलिए सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में अनथक काम किया। इससे उल्लेखनीय प्रगति भी हुई है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या दो वर्षों में 1 हजार 500 बढ़ी है। 2023 में 4 हजार सीटें थी जो अब 5 हजार 500 हो गई हैं। शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। त्वरित चिकित्सा सुविधा देने के लिए पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा प्रारंभ की गई है।

पर्यटन अब और भी अद्भुत

पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश ने दूसरे राज्यों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। मध्यप्रदेश दुनिया के 10 बेहतरीन पर्यटन स्थलों में से एक है। 2023 में 9 करोड़ पर्यटक मध्यप्रदेश आए थे वहीं 2025 में साढ़े तेरह करोड़ पर्यटक मध्यप्रदेश आए। ऐसा पर्यटन संबंधी नीतियों के कारण हुआ है । मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान को मिलाकर चीता कॉरिडोर बनाया जा रहा है। बाघों की बढ़ती संख्या के लिए कान्हा देश का सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व घोषित किया गया है। प्रदेश में रातापानी, भोपाल आठवां टाइगर रिजर्व घोषित होने के बाद शिवपुरी का माधव नेशनल पार्क 9वां टाइगर रिजर्व बना है। पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा और पीएमश्री वायु पर्यटन सेवा के साथ देश में अंतर-राज्यीय वायु सेवा संचालित करने वाला पहला राज्य बन गया है। भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर 20 नवीन शिकारा नाव सेवा का शुभारंभ किया गया है जो राजधानी में पर्यटन के लिए बड़ी सौगात है। प्रदेश में 5500 करोड़ की लागत से बनने वाले टाइगर कॉरिडोर से टूरिज्म, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। रानी दुर्गावती के नाम पर जबलपुर चिड़िया घर और रेस्क्यू सेंटर बन रहा है। उज्जैन में भी वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर स्थापित होगा। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश के 121 गांवों में 241 होम-स्टे तैयार होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ की कोशिश हो रही है। इससे स्थानीय संस्कृति को पहचान मिलेगी।

दो साल के कार्यकाल में समाहित हैं अगले तीन साल की चुनौतियां

डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के बतौर अपनी पहली पारी के दो साल पूरे कर लिए हैं। सूबे में बीते तेईस सालों में कमलनाथ की पंद्रह महीने की सरकार को छोड़ दें तो बाकी के साढ़े 21 साल भाजपा की सरकारें ही सत्ता पर काबिज रही हैं। इनमें उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान ने विकास के जो आयाम स्थापित किए उन्हें अगले मुकाम तक पहुंचाने की चुनौती यादव के सामने थी। बीते दो सालों में उन्होंने अपनी कार्यशैली में कठिन श्रम और नवाचारी योजनाओं के मिश्रण से प्रदेश को नए मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश की भी है। सही मायनों में साल हो या दो साल, या अवधि पीछे देखने के साथ ही यह सोचने का मौका भी देती है कि अगले तीन साल में क्या किया जाए। कुछ ऐसा जिससे मतदाता जब एक बार फिर कसौटी पर कैसे तो उन्हें खरा पाएऔर अगले पांच साल के लिए फिर जनादेश दे। इसमें कोई शक नहीं कि बिजली, सड़क और पानी के मोर्चे पर सत्ता में आई भाजपा की सरकार ने पहले दिन से आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा है। अब दो साल के जश्न में अगले तीन साल की चुनौतियां कहीं खो न जाएं, इसकी चिंता भाजपा की सरकार और संगठन को करना है। बीते दो दशकों में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद काफी तेजी से बढ़ा। इसकी वजह से ही सरकार अपनी योजनाओं और कामों के लिए कर्ज भी ले पा रही है। बावजूद इस सबके मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान साठ फीसदी से ज्यादा है। बाकी की हिस्सेदारी मैन्युफेक्चिरिंग, रियल स्टेट, टूरिज्म और सर्विस सेक्टर की है। सूबे की तरक्की में खेती का योगदान अपनी जगह है, लेकिन रोजगार के लिहाज से औद्योगिक पूंजी निवेश को बढ़ाना आज भी बड़ी चुनौती है। इसमें कोई शक नहीं कि मोहन यादव या उनके पहले के भाजपाई मुख्यमंत्रियों ने इसके लिए जोर नहीं लगाया। जोर लगाया और नतीजे भी कई मामलों में माकूल आए। लेकिन कई मसलों पर अपेक्षित कामयाबी नहीं मिली। प्रदेश में पूंजी निवेश इंदौर, खासतौर से मालवा अंचल तक सिमटकर रह गया। बुंदेलखंड और महाकौशल अंचल काफी पिछड़े रहे। विंध्य में रीवा, सिंगरौली का विकास तो हुआ लेकिन बाकी इलाके उतनी तरक्की नहीं कर सके। मुख्यमंत्री को इस बात के लिए बधाई देना चाहिए कि उन्होंने प्रदेश के समग्र और समावेशी विकास की बात सोची। मंत्रियों से दो साल के कामकाज का लेखा-जोखा लिया और अगले तीन साल की योजना का रोडमैप मांगा। खजुराहों में हाल की कैबिनेट बैठक में उन्होंने बुंदेलखंड के संभागीय मुख्यालय सागर में पूंजी निवेश के लिए काफी आकर्षक पैकेज घोषित किए हैं। उद्योगों को बिजली शुल्क में छूट के साथ ही बेहद रियायती दरों पर भूमि आवंटन जैसे फैसले भी किए हैं। लेकिन समग्रता से देखा जाए तो प्रदेश को सबसे मंहगी रजिस्ट्री दरों और स्टांप शुल्क के दाग से मुक्ति दिलाने की भी जरूरत है। पेट्रोल और डीजल सहित विमानों प्रयुक्त ईंधन की दरों में कमी लाने की काफी गुंजाईश है। नौकरशाह शायद यह कहकर डराने की कोशिश कर सकते हैं कि राज्य की आय में कमी आएगी लेकिन यदि इन दरों को घटाने से खपत का वाल्यूम बढ़ता है तो वह विकास के लिहाज से काफी उपयोगी होगा और दूसरे राज्यों के मुकाबले मप्र को प्रतिस्पर्धी बना सकता है। बिजली सेक्टर में भी बिलों में कटौती की काफी गुंजाइश है। परिवहन लागत और रजिस्ट्री दरें घटने से रियल स्टेट का कारोबार पनपेगा तो इसका अंततः फायदा राज्य के खजाने को ही होगा। निवेश बढ़ने से रूपए का रोटेशन बढ़ेगा तो रोजगार के नए मौके भी पैदा होंगे। कानून व्यवस्था के मोर्चे पर कसावट भी वक्त की मांग है। खेती और उद्योगों के साथ सहकारी समितियों के जरिए खाद्य प्रसंस्करण, फल, फूल, सब्जी और उद्यानिकी से जुड़े कुटीर उद्योगों के माध्यम से किसानों को आगे बढ़ाने की पहल आज की जरूरत है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

न्यूज विंडो

चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को किया सस्पेंड

नईदिल्ली, एजेंसी। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो पर बड़ा एक्शन लेते हुए चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। डीजीसीए का कहना है कि ये कर्मचारी मुश्किल में फंसी इंडिगो की सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों की देखरेख के लिए जिम्मेदार थे। दरअसल, डीजीसीए का मानना है कि इन कर्मचारियों की ओर से एयरलाइन के इंस्पेक्शन और मॉनिटरिंग में लापरवाही की वजह से यह कार्रवाई की गई।

पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल ने आज सुबह महाराष्ट्र के लातूर में अंतिम सांस ली। पाटिल 90 साल के थे। सुबह करीब 6:30 बजे उनका लातूर स्थित अपने घर में निधन हो गया। शिवराज पाटिल लंबे समय से बीमार चल रहे थे, जिसके चलते उनका घर पर ही इलाज किया जा रहा था। उनका पूरा नाम शिवराज पाटिल चाकुरकर था। उन्होंने लोकसभा के सभापति और विभिन्न केंद्रीय मंत्री के पद की जिम्मेदारी संभाली है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को होने की संभावना है।

गोवा के बाद अब ओडिशा के नाइट क्लब में भीषण आग

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के सत्य विहार इलाके में एक नाइट क्लब में भीषण आग लग गई। आग से निकलते धुएं की मोटी परत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। अधिकारी ने बताया कि अभी तक आग लगने का सटीक कारण पता नहीं चल सका है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्या यह आग इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, किचन में कोई खराबी या किसी और कारण से लगी। फायरब्रिगेड के कर्मचारी पूरे प्रयास से आग पर काबू पाने में लगे रहे। उनकी तेज कार्रवाई की वजह से आग पास के भवनों तक नहीं फैल पाई। अधिकारियों के अनुसार, अब तक इस आग में कोई हताहत नहीं हुआ है।

दो पर्वतारोहियों के बीच विवाद

हाईकोर्ट ने विक्रम अवार्ड-2023 के आयोजन पर लगाई रोक

जबलपुर, एजेंसी

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने साहसिक खेलों के लिए दिए जाने वाले विक्रम अवार्ड-2023 का आयोजन करने पर अंतरिम रोक लगा दी। कोर्ट ने दूसरी दावेदार भावना डेहरिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही मामले की अगली सुनवाई पांच जनवरी, 2026 को निर्धारित की। कहा कि तब तक विक्रम अवार्ड-2023 आयोजन न किया जाए। सीहोर निवासी पर्वतारोही मेघा परमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा व अधिवक्ता अतुल जैन ने पक्ष रखा। दलील दी कि याचिकाकर्ता इस अवार्ड की सही दावेदार है, इसलिए अंतिम निराकरण तक उक्त अवार्ड किसी अन्य को नहीं दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मप्र शासन ने साहसिक खेलों के लिए विक्रम अवार्ड 2023 की घोषणा की है। इसके लिए छिंदवाड़ा की पर्वतारोही भावना डेहरिया का चयन किया गया है। याचिकाकर्ता को भावना के चयन पर कोई आपत्ति नहीं है। उसका कहना है कि 22 मई 2019 को दुनिया की सबसे ऊंची छोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने वालों में वह अग्रणी थीं। भावना डेहरिया से पहले तिरंगा फहराया था। दोनों के बीच पांच घंटे का अंतराल था। मेघा सुबह पांच बजे चोटी पर पहुंच गई थीं, जबकि भावना पौने 10 बजे पहुंची थीं। इस लिहाज से भावना की भांति मेघा का भी विक्रम अवार्ड पर हक है।

अवैध कफ सिरप मामला

यूपी-झारखंड और गुजरात में ईडी का कई ठिकानों पर छापा

नईदिल्ली, एजेंसी

अवैध कफ सिरप मामले में प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ यूनिट की टीम ने आज सुबह इस गोरखधंधे के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल से जुड़े उत्तर प्रदेश, गुजरात और झारखंड के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। अवैध कफ सिरप के व्यापार को लेकर पिछले दो महीनों में 30 से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, जिसके आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ, सहारनपुर, वाराणसी और जौनपुर, झारखंड के रांची और गुजरात के अहमदाबाद में बनाए गए ठिकानों पर छापेमारी की है। अंदेशा है कि इन्हीं ठिकानों पर अवैध कफ सिरप का

भंडारण किया गया और बिक्री के लिए आस पास के शहरों और कस्बों में सप्लाई की गई। बता दें कि कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत होने के खबरों से मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस गोरखधंधे में शुभम जायसवाल को मुख्य आरोपी माना जा रहा है, जिसके सहयोगी आलोक सिंह और अमित सिंह रहे हैं। मामले में आलोक सिंह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

गोवा अग्निकांडः क्लब मालिकों को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू

पणीजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब आग मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड से भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। थाईलैंड पुलिस ने गुरुवार को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया था। थाई पुलिस अब दोनों को बैंकॉक लेकर जा रही है। वहां सुवर्णभूमि एयरपोर्ट पर भारतीय एजेंसियां उन्हें अपनी कस्टडी में लेंगी। इसके बाद उन्हें सुआन फू इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर ले जाया जाएगा। पासपोर्ट रद्द होने के कारण भारतीय दूतावास उन्हें इमरजेंसी ट्रैवल सर्टिफिकेट जारी करेगा। चूंकि, थाईलैंड से गोवा के लिए सीधी उड़ान नहीं है, इसलिए लूथरा ब्रदर्स को बैंकॉक से पहले दिल्ली, फिर गोवा ले जाया जाएगा।

राजस्थान में एथेनॉल फैक्ट्री का विरोध

पुलिस के डर से घरों पर लगे ताले लोगों ने गुरुद्वारे में बिताई रात

हनुमानगढ़, एजेंसी

राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित टिब्बी (राठीखेड़ा) में आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा। ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन जारी है। आज चौथे दिन भी टिब्बी में इंटरनेट बंद है। उपद्रव मामले में 107 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। 40 लोग हिरासत में लिए जा चुके हैं।

आज टिब्बी स्थित गुरुद्वारे में दोपहर 2 बजे कोर कमेटी के सदस्यों की मीटिंग हो रही है। किसानों ने कहा- जब तक हनुमानगढ़ के कलेक्टर-एसपी का तबादला नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन से वार्ता नहीं करेंगे। उधर, महिलाओं ने पुलिस पर गोलियां चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने गुरुद्वारे सिंह सभा में गोलियों के खोल भी दिखाए। पुलिस के डर से तमाम लोग घर पर ताला लगाकर

रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। कुछ लोगों ने गुरुद्वारा सिंह सभा में शरण ली है। गुरुवार को किसानों से हुई दो दौर की वार्ता विफल हो गई। टिब्बी पहुंचे एडीजी वीके सिंह ने कहा- 10 दिसंबर को सबकुछ शांति से चल रहा था। बाहरी लोगों ने इस उपद्रव को भड़काया। इधर, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला महासचिव मंगेज चौधरी बोले- पुलिस के हथियार जंग लगे थे, नहीं तो ये सैकड़ों लोगों की जान ले लेते। 17 दिसंबर को किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

गुजरात के वलसाड में निर्माणाधीन पुल गिरा, चार मजदूर घायल

गांधीनगर, एजेंसी

गुजरात के वलसाड में औरंगा नदी पर बन रहे पुल के निर्माण के दौरान एक गर्डर डैमेज हो गया, जिससे पुल भरभराकर गिर गया। इस दौरान उस पर काम कर रहे करीब पांच मजदूर फंस गए। घटना के तुरंत बाद राहत बचाव का कार्य शुरू किया गया। यह घटना सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। जब पुल के दो खंभों के बीच की स्लैब बनाने के लिए बनाई गई मचान का ढांचा भरभराकर ढह गया। इस हादसे में करीब पांच मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए और मलबे के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही वलसाद अग्निशमन विभाग और पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत बचाव की टीम ने चार मजदूरों को बचा लिया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जारी है।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा

यात्रियों से भरी प्राइवेट बस खाई में गिरी, 9 लोगों की मौत, कई घायल

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारमा राजू जिले के चिंतूरू और भद्राचलम के बीच घाट रोड पर एक बस खाई में गिर गई। इस हादसे में कम से कम 9 लोगों की जान गई है। बताया जा रहा है कि यह हादसा आज सुबह हुआ। जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने बताया कि इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को भद्राचलम अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है, जहां पर कई लोगों की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अधिकारी पहुंच रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे के वजहों की जांच जारी है। वहीं, घटना में मरने वालों की पहचान का पता लगाया जा रहा है। इस हादसे पर आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि चित्तूर जिले के अल्लूरी सीताराम राजू के

पास यात्रियों को ले जा रही एक प्राइवेट बस के एक्सीडेंट ने हमें झकझोर दिया है। यह दिल दहला देने वाला है कि इस एक्सीडेंट में कई जानें चली गईं। मैंने एक्सीडेंट के बारे में अधिकारियों से बात की है और प्रभावित लोगों को दी जा रही मदद के बारे में जानकारी इकट्ठा की है। मैंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर मेडिकल मदद दिलाने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है। सरकार एक्सीडेंट में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी।

इंडिगो संकट से सरकारी खजाने भी चपत

भोपाल हवाई अड्डे को ही एक करोड़ का नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंडिगो की उड़ानों का संचालन अचानक बंद होने का सीधा असर न केवल यात्रियों पर पड़ा है, बल्कि इसने सरकारी खजाने को भी चपत लगाई है। अकेले भोपाल हवाई अड्डे को संकट के इन पांच दिनों में ही एक करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरे व्यस्त हवाई अड्डों का नुकसान कई गुना अधिक होगा। भोपाल से किसी भी विमानन कंपनी का टिकट बुक कराने पर यात्रियों को यूजर डेवलपमेंट फीस, रीजनल कनेक्टिविटी चार्ज और एविशन फीस के रूप में करीब 700 रुपये देने होते हैं। यह शुल्क अलग-अलग हवाई अड्डों पर अलग-अलग होता है।

हवाई अड्डा प्राधिकरण इस रकम को यात्री सुविधाओं के संधारण और विस्तार पर खर्च करता है। राजाभोज हवाई अड्डे से सामान्य स्थिति में प्रतिदिन करीब 5,556 यात्री सफर करते हैं। इंडिगो में अचानक आए संकट के कारण यात्रियों की संख्या का औसत अचानक कम हो गया। चार से आठ दिसंबर के बीच यात्रियों की संख्या बहुत कम हो गई। पांच दिसंबर को तो रिकॉर्ड 3600 यात्रियों को घर वापस लौटना पड़ा था। इन यात्रियों को इंडिगो ने पूरा पैसा वापस किया। इस वापसी की

वजह से हवाई अड्डा प्राधिकरण को मिलने वाला शुल्क नहीं मिल पाया। चार से आठ दिसंबर तक औसत दैनिक यात्री संख्या लगभग 3656 रही है। यानी अथॉरिटी को प्रतिदिन 1900 यात्रियों से यूडीएफ नहीं मिल सकी। पांच दिन में अथॉरिटी को प्रतिदिन करीब 13 लाख 30 हजार रुपये के शुल्क से हाथ धोना पड़ा। इस मान से यह राशि 66 लाख 50 हजार रुपये होती है। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए प्राधिकरण ने तीन दिन तक पार्किंग शुल्क नहीं लिया था। विमान नहीं आए तो कॉमर्शियल स्पेस शुल्क भी नहीं मिला। हवाई अड्डे पर लाउंज प्रवेश शुल्क प्रति यात्री 75 रुपये है। यात्रियों को छोड़ने आए लोगों को भी टिकट लेकर ही अंदर प्रवेश दिया जाता है। यह सब मिलाकर प्राधिकरण को 30 से 35 लाख रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

संकट टला, लेकिन यात्रियों का भरोसा अभी भी कमजोर

इंडिगो के संकट के कारण हवाई अड्डे के पैसेंजर ग्रोथ प्लान की गति भी थम सकती है। फिलहाल संकट टल गया है। इंडिगो अब भोपाल से सभी उड़ानों का संचालन कर रहा है लेकिन यात्री संख्या फिर भी कम है। फिलहाल यात्रियों को यह भरोसा नहीं हो रहा है कि संकट पूरी तरह खत्म हो चुका है। इस कारण उड़ानों को 100 प्रतिशत पैसेंजर लोड नहीं मिल पा रहा है। बताया गया कि इंडिगो के संकट की वजह से कुछ समय के लिए यात्री कम हुए हैं। अथॉरिटी को राजस्व का नुकसान भी हुआ है लेकिन वे केवल यात्री हित देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि यात्री हित देखते हुए ही कुछ समय तक पार्किंग शुल्क माफ किया गया था। उनका मानना है कि अब स्थिति सामान्य है और औसत फिर से 5500 से अधिक हो जाएगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव के साथ एमपी और सिक्किम के राज्य निर्वाचन कार्यालय सचिव मौजूद रहे।

एमपी की ईवीएम से होंगे सिक्किम के स्थानीय चुनाव

400 ईवीएम किराए पर देने हुआ एमओयू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी के अंतर्गत किराए पर राज्य निर्वाचन आयोग सिक्किम को 400 ईवीएम उपलब्ध कराएगा। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ को आयोग पहले ही ईवीएम और बैलेट यूनिट व कंट्रोल यूनिट किराए पर दे चुका है और जम्मू कश्मीर के साथ भी एमओयू हो चुका है। इन राज्यों में चुनाव के बाद वहां के राज्य निर्वाचन आयोग एमपी के राज्य निर्वाचन आयोग को सुरक्षा के साथ ईवीएम और बैलेट यूनिट व कंट्रोल यूनिट वापस करेंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में सचिव मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह और सचिव सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग ग्लोरिया नामचू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा कि ईवीएम शेयरिंग के मामले में मध्यप्रदेश पॉयनियर स्टेट है। ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को ईवीएम किराये पर दी जा चुकी हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर एवं महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन को भी ईवीएम किराये पर देने के लिये एमओयू हो चुका है। अन्य राज्यों के साथ भी एमओयू की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि यह पॉलिसी को-ऑपरेटिव फेडरेलिजम का बेहतर उदाहरण है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र को दे चुके

श्रीवास्तव ने बताया कि मध्यप्रदेश में स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि एमओयू से सिक्किम और मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के बीच संबंध और सुदृढ़ होंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2014-15 में स्थानीय निर्वाचन में ईवीएम का उपयोग शुरू किया गया था। ईवीएम के माध्यम से चुनाव कराने में सहूलियत होने के साथ ही पारदर्शिता भी बनी रहती है। सिंह ने बताया कि छत्तीसग? को 2 हजार ईवीएम और महाराष्ट्र को 25 हजार कंट्रोल यूनिट और एक लाख बैलेट यूनिट किराये पर दी गयी हैं। सचिव सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग नामचू ने इस एमओयू पर कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए ईवीएम शेयरिंग पॉलिसी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पॉलिसी सिक्किम जैसे छोटे राज्यों के लिये बहुत उपयोगी है। नामचू ने कहा कि इससे राज्यों का आर्थिक बोझ कम होगा और सरलता से स्थानीय चुनाव कराये जा सकेंगे।

एक बैलेट यूनिट का 200 रुपए किराया

ईवीएम को किराये पर देने के लिये प्रति कंट्रोल यूनिट 400 एवं प्रति बीयू 200 रुपये की दर तय है। किराये की राशि अग्रिम रूप से ली जाती है। ईवीएम के परिवहन का पूरा व्यय राज्य निर्वाचन आयोग सिक्किम वहन करेगा। ईवीएम मशीन आवश्यक सुरक्षा के साथ ले जानी होगी एवं निर्वाचन के बाद स्वयं ही मध्यप्रदेश के संबंधित जिलों में जमा करानी होगी। इस दौरान सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग उप सचिव राजेन राय व उप संचालक टीटी लेपचा, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव मनोज मालवीय, मुकुल कुमार गुप्ता (प्रभारी ईवीएम शाखा मप्र राज्य निर्वाचन आयोग), सुतेश शाक्य, संजू कुमारी आदि उपस्थित थे।

एडीएम से खाद्य आपूर्ति प्रभार छीना

गरीबों का राशन बेचने वाले व्यापारियों पर 16 लाख जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गरीबों का पीडीएस चावल बाजार में बेचने की तैयारी में लगे दो व्यापारियों पर जिला प्रशासन ने जुर्माना 16 लाख रुपए कर दिया है। इस बड़ी कार्रवाई से पहले एडीएम स्तर पर महज 30 हजार रुपए जुर्माना कर मामला रफा-दफा करने के बाद कलेक्टर ने सख्ती की और जुर्माने की राशि बढ़ाने के साथ खाद्य आपूर्ति अधिकार का प्रभार भी बदल दिया।

दरअसल, इस मामले में एडीएम अंकुर मेश्राम ने जब्त 500 क्विंटल से अधिक चावल पर सिर्फ 30 हजार का जुर्माना लगाकर स्टॉक छोड़ दिया था। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एडीएम मेश्राम से प्रभार लेकर जिम्मेदारी नए एडीएम आईएएस सुमित पांडे को दी। पांडे ने रिकॉर्ड खंगालकर जुर्माना 16 लाख तय किया। मेश्राम द्वारा लगाए गए पुराने जुर्मानों और आदेशों की जांच के निर्देश भी दिए गए। मामले में राजकुमार ट्रेडर्स (राजकुमार आसवानी) से 450 क्विंटल और महालक्ष्मी ग्रेन मार्ट (बिनोद रिझवानी) से 53 क्विंटल चावल जब्त हुआ था। इसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए है।

15 दिन में जमा करना होगा जुर्माना: दोनों व्यापारियों को 15 दिन में राशि जमा करनी होगी। इसके बाद संपत्ति कुर्की और अंततः एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई होगी। सवाल यह है कि सरकारी राशन की अवैध खरीद-बिक्री पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 7 के तहत 3 महीने से 7 साल तक की जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान है। कई मामलों में एफआईआर और गिरफ्तारी अनिवार्य होती है। इसके बावजूद इस मामले में अब तक न तो किसी व्यापारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और न ही किसी को हिरासत में लिया गया है।

तापमान में गिरावट @ पारा 6.5°

भोपाल, दोपहर मेट्रो । राजधानी में कड़ाके की ठंड और टेम्प्रेचर का टॉर्चर जारी है। गुरुवार-शुक्रवार की रात कई शहरों में पारा 5 डिग्री के आसपास रहा। रात में भोपाल में पारे में गिरावट हुई। तापमान 6.5 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जेट स्ट्रीम का असर भी है। यह जमीन से 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 204 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से बह रही है। जिसका असर एमपी में भी है। इस कारण शुक्रवार को भी शीतलहर का अलर्ट है। मौसम एक्सपर्ट की माने तो प्रदेश में ठंड बढ़ने की वजह खास वजह जेट स्ट्रीम भी है। यह जमीन से लगभग 12 किमी ऊंचाई पर चलने वाली तेज हवा है। इसकी रफ्तार 222 किलामीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई है। यह देश के उत्तरी हिस्से में सक्रिय है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट हो सकती है।

उत्तराखंड के जनप्रतिनिधि और अधिकारी ने कार्यों का प्रेजेंटेशन देखा

उत्तराखंड के नगरीय निकाय अपनाएंगे भोपाल नगर निगम का कचरा प्रबंधन सस्टेनेबल मॉडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उत्तराखंड के नगरीय निकाय भोपाल नगर निगम का कचरा प्रबंधन सस्टेनेबल मॉडल अपनाएंगे। उत्तराखंड के प्रतिनिधि मंडल विभिन्न नवाचारों के अध्ययन के लिए भोपाल प्रवास पर है। इस दौरान महापौर राय ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। प्रतिनिधि मंडल ने महापौर मालती राय और नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन से भेंट की और भोपाल के कचरा प्रबंधन संबंधी कार्यों का पावर पाइंट प्रेजेंटेशन देखा। उन्होंने कचरा प्रबंधन रिसाइकल हब व कचरा कैफे आदि के संबंध में चर्चा भी की और इनकी कार्यपद्धति को भी समझा। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि कचरे को संसाधन के रूप में रिसाइकल किया जाए और कहीं भी जीवीपी या डम्प साइट न बनने दी जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर कचरा प्रबंधन के लिए

महापौर राय ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

निकाय कर्मचारियों के साथ जनप्रतिनिधियों का बेहतर तालमेल व समर्थन तथा जनसहभागिता भी जरूरी है। प्रतिनिधि मंडल में ऋषिकेश के महापौर शंभू पासवान, हरिद्वार की महापौर किरन, काशीपुर के महापौर दीपक बाली, पोणी नप की अध्यक्ष हिमानी नेगी, डीडी हाट अध्यक्ष गिरीश चुफाल, लोहाघाट अध्यक्ष गोविंद वर्मा आदि शामिल थे।

लघुकथा अंताक्षरी में देश- विदेश से शामिल हुए कथाकार

तह से सतह तक गंभीरता से काम करने की विधा है लघुकथा- अवस्थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लघुकथा तह से लेकर सतह तक गंभीरता से काम करने की विधा है। लघुकथा शोध केंद्र समिति ने लघुकथा की अंताक्षरी का आयोजन कर एक अभिनव प्रयोग किया है जिसके लिए केंद्र बधाई का पात्र है। यह उदगार वरिष्ठ लघुकथाकार डॉ. मिथलेश अवस्थी (नागपुर) ने व्यक्त किये। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति की ऑनलाइन साप्ताहिक गोष्ठी में अंताक्षरी के मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। लघुकथा साहित्य के इतिहास में पहली बार आयोजित इस गोष्ठी एवं विमर्श में देश विदेश के 105 लघुकथाकार सम्मिलित हुए। लगभग साढ़े तीन घंटे चले कार्यक्रम में लघुकथाकारों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ लघुकथाओं का पाठ किया। इस आयोजन की विशेषता थी कि हर लघुकथा लेखक को अपनी रचना के वाचन के साथ अपने पूर्ववर्ती लघुकथाकार की लघुकथा पर तत्काल टिप्पणी करना थी। पूर्व से लेखकों के नाम और क्रम भी तय नहीं थे कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन की रूपरेखा के बारे में केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने अपने विचार रखे तथा उपस्थित कथाकारों का स्वागत किया। उनके साथ अश्विनी देशपांडे (दिल्ली) एवं डॉ.ममता माली (मुंबई) ने बारी- बारी से कार्यक्रम संचालन की डोर संभाली। अंत में आभार केंद्र के महासचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने प्रकट किया।

लोक अदालत कल, बकायादारों को अधिभार में 100 फीसद छूट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

13 दिसंबर को लगने वाली नेशनल लोक अदालत में नगर निगम अपने संपत्तिकर और जलदर के बकायादारों को अधिभार में छूट देगा। ऐसे प्रकरण जिनमें अधिभार की राशि 50 हजार रुपये बकाया है उन्हें केवल अधिभार में 100 फीसद की छूट दी जाएगी। 50 हजार से अधिक एवं एक लाख रुपये तक बकाया राशि पर केवल अधिभार में 50 फीसद तक की छूट और एक लाख रुपये से अधिक की राशि बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 फीसद की छूट दी जाएगी। छूट प्राप्त करने के उपरांत अधिकतम दो किस्तों में राशि जमा कराई जाएगी और लोक अदालत के दिन कम से कम 50 फीसद राशि जमा कराया जाना अनिवार्य होगा। छूट केवल 13 दिसंबर को आयोजित लोक अदालत के लिए ही मान्य होगी।

मेट्रो एंकर

भोपाल में एक जैसे नाम वाले 65,000 वोटर

एसआईआर: मतदाताओं के घर सत्यापन करेगी बीएलओ टीम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पहला चरण पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया के दौरान बीएलओ ऐप ने करीब 65 हजार ऐसे मतदाताओं की पहचान की है जिनके नाम या उनके पिता के नाम एक जैसे हैं, तथा कुछ मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों की सूची में दर्ज पाए गए। इन सभी को डीएसई (डेमोग्राफिक सिमिलर एंट्री) श्रेणी में चिह्नित किया गया है। निर्वाचन आयोग द्वारा समय सीमा बढ़ाए जाने के बाद अब इनके सत्यापन का अवसर मिल गया है और आने वाले सात दिनों तक बीएलओ घर-घर जाकर जांच करेंगे। इसके अलावा 85 से 120 वर्ष आयु वर्ग के 10,838 मतदाताओं तथा 46 हजार एएसडी (अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृत) पत्रकों का भी

फील्ड सत्यापन किया जाएगा। बीएलओ एप द्वारा पकड़ी गई इन विसंगतियों को अब ऐप में जोड़े गए चार नए फीचर्स की मदद से सुधारा जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता के अनुसार बैरसिया, उत्तर, नरेला, दक्षिण-पश्चिम, मध्य, गोविंदपुरा और हुजूर विधानसभा क्षेत्रों में 4 नवंबर से प्रारंभ हुए एसआईआर के तहत 6 दिसंबर तक कुल 21,25,908 गणना पत्रक जमा किए गए। इन सभी की प्रविष्टियाँ बीएलओ ऐप पर दर्ज की गईं, जिसके बाद ऐप ने त्रुटिपूर्ण रिकॉर्ड की पहचान की। डीएसई श्रेणी में आने वाले मतदाताओं का बीएलओ उनके पते पर पहुंचकर सत्यापन करेंगे। यदि व्यक्ति मौके पर मिलता है तो उसका नाम सूची में यथावत रखा जाएगा, अन्यथा हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मतदाता नाम हटाने से पहले बीएलओ को राजनीतिक दलों के बीएलए के सामने जानकारी पढ़कर सुनानी होगी, जिसके बाद बीएलए के हस्ताक्षरयुक्त दस्तावेज ऐप पर अपलोड किए जाएंगे। एसआईआर के दौरान 46 हजार एएसडी पत्रकों में भी विसंगतियां पाई गईं। ये वे प्रविष्टियां हैं जिनमें मतदाता अनुपस्थित, शिफ्टेड या मृत पाए गए थे। इन सभी की जानकारी बीएलओ द्वारा दोबारा एकत्र की जाएगी। वहीं जिन मामलों में मतदाता या उनके रिश्तेदारों के नाम 2003 की सूची से मेल नहीं खाते, उन्हें भी सुधारकर सत्यापित किया जाएगा ताकि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से न कटे। निर्वाचन आयोग ने अनकलेक्टेबल मतदाताओं का पुनः सत्यापन करने के निर्देश भी दिए हैं। जिले में 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले कुल 10,838 मतदाताओं में 5,129 पुरुष और 5,709 महिला शामिल हैं। बीएलओ इन सभी से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उनकी स्थिति की पुष्टि करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि एसआईआर का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। अब आयोग के निर्देशानुसार 85+ आयु वाले मतदाताओं, एएसडी मामलों, डीएसई और त्रुटिपूर्ण पत्रकों का पुनः सत्यापन किया जा रहा है, ताकि किसी वास्तविक मतदाता का नाम सूची से अनावश्यक रूप से न हटे।

एक जनवरी से बदलेगी 25 ट्रेनों की टाइमिंग, नई समय-सारणी लागू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही रेलवे एक जनवरी से नई समय-सारणी लागू करने जा रहा है, जिसके तहत भोपाल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 25 ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि नई समय-सारणी लागू होने से कई गाड़ियों की औसत गति बढ़ेगी और समय की बचत होगी। इसके लिए सभी संबंधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रस्थान समय में बदलाव भोपाल व रानी कमलापति स्टेशन से चलने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में मामूली परिवर्तन किया गया है।

- 22145 भोपाल-रीवा एक्सप्रेस अब 23.05 की बजाय 23.00 बजे चलेगी।
- 19324 भोपाल-डॉ. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस 17.00 की बजाय 17.10 बजे प्रस्थान करेगी।
- 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 16.55 से बदलकर 16.40 बजे चलेगी।
- 12185 रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस 22.00 की बजाय 21.55 बजे प्रस्थान करेगी।
- रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस अब रीवा 7.55 बजे पहुंचेगी।
- भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस का नया आगमन समय 1.15 बजे होगा।
- बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस भोपाल अब 17.00 बजे आएगी।

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का पदभार ग्रहण कार्यक्रम

कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद शुरू हुआ, हमने खत्म किया: सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के पदभार ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत, अमेरिका और इजराइल के साथ विश्व का तीसरा ऐसा देश है जो दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का सम्मान वैश्विक स्तर पर बढ़ा है। आज दुनिया भारत और भारतीय जनता पार्टी की ओर देख रही है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद प्रारंभ हुआ था। भाजपा सरकार नक्सलवाद और माओवाद को लगभग जड़ से खत्म कर दिया है। आज दो नक्सलवादियों के सरेंडर करने के बाद प्रदेश में नक्सलवाद लगभग समाप्त हो गया है, जो सरेंडर नहीं कर रहे हैं, उन्हें मारा जा रहा है। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सरकार के कार्यों को युवाओं और जनता तक पहुंचाएं और उन्हें बताएं कि भाजपा सरकार किस तरह से हर समाज, वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि जैसे किसी परिवार की पहचान उसके बेटे-बेटी से होती है, उसी प्रकार भाजपा की पहचान युवा मोर्चा से है। भाजपा संगठन को आगे ले जाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सपने 2047 के भारत को विकसित भारत बनाने की जिम्मेदारी भी युवाओं पर है। युवा मोर्चा कार्यकर्ता ऐसा कार्य करें कि भाजपा का परचम हर घर-मोहल्ले में लहराए। युवा मोर्चा कार्यकर्ता भाजपा सरकार और संगठन के कार्यों को जनता तक पहुंचा कर पार्टी संगठन को बुलंदियों तक पहुंचाएं। कार्यक्रम को युवा मोर्चा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने भी संबोधित किया।

कार्यकर्ता ऐसा काम करें कि घर-घर भाजपा का परचम लहराए: हेमंत

युवा मोर्चा कार्यकर्ता समाज और मतदाताओं को भाजपा से जोड़ें - हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि युवा मोर्चा राजनीति की पहली सीढ़ी है। समाज और देवतुल्य जनता भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व, आचरण और कार्य-व्यवहार देखकर ही भाजपा के भविष्य का आंकलन करती है, क्योंकि युवा ही आगे चलकर संगठन का नेतृत्व करते हैं। इसलिए आप सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का व्यक्तित्व और व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि आपकी वजह से पार्टी को सम्मान मिले। पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व ने श्याम टेलर को युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। युवा मोर्चा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने मोर्चा को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, श्याम टेलर उसे और बुलंदियों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता समाज और मतदाताओं को भाजपा से जोड़ने का कार्य करें।

प्रधानमंत्री के सपनों का भारत बनाने हर घर तक पहुंचे पार्टी कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था से चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत आने वाले सालों में अमेरिका और चीन से भी आगे निकल जाएगा। प्रधानमंत्री जी वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक भारत विश्व गुरू बने, इसके लिए आप सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मध्यप्रदेश के हर घर और हर मोहल्ले में भाजपा का परचम लहराएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं के लिए कई योजनाएं चला रही है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ स्व-रोजगार के साधन भी उपलब्ध करा रही है। इसके साथ उद्योगों को बढ़ावा देने का कार्य लगातार किया जा रहा है। देशी-विदेशी कंपनियां मध्यप्रदेश में निवेश कर रही हैं। समाज और दल को आगे ले जाने की जिम्मेदारी आप सभी युवाओं पर है। आप सभी युवा संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं, युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के भविष्य की चिंता पार्टी संगठन कर रहा है। आप सभी समाजों को और मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का कार्य करें, पार्टी आपके सम्मान की चिंता कर रही है।

भोपाल को एआई हब बनाने की तैयारी तेज

क्रेडाई ने मुख्य सचिव से की मुलाकात, 'केव टू कोड' कलाकृति भेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक ने वल्लभ भवन में मुख्य सचिव से मुलाक़ात कर राज्य सरकार द्वारा 'कमाल का भोपाल' रिपोर्ट के प्रस्ताव पर घोषित 3707 एकड़ की नॉलेज एंड एआई सिटी के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में क्रेडाई के वरिष्ठ सदस्य संजीव ठाकुर और सर्वेश प्रेमचंदानी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान क्रेडाई प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी भोपाल की विकास-दृष्टि को दर्शाती प्रतीकात्मक कलाकृति 'केव टू कोड' मुख्य सचिव को भेंट की। यह रचना भोपाल की पाषाण युगीन शैलकला से लेकर आधुनिक नॉलेज व एआई सिटी तक की ऐतिहासिक यात्रा को प्रतीकात्मक रूप से प्रस्तुत करती है। मुख्य सचिव ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि मध्यप्रदेश के डेवलपर्स और उद्यमी नॉलेज व एआई सिटी के विकास में प्रमुख भूमिका निभाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि क्रेडाई के सदस्य नेशनल और ग्लोबल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर व डेटा सेंटर डेवलपर कंपनियों से टाई-अप कर इस महत्वपूर्ण परियोजना में सहयोग बढ़ाएं, जिससे राजधानी में विश्वस्तरीय एआई, डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और उभरती तकनीकों के हब का निर्माण संभव हो सके।

राज्य सरकार चाहती है कि नॉलेज एंड एआई सिटी में राज्य के डेवलपर्स और उद्यमी निभाएं प्रमुख भूमिका

मुख्य सचिव के अनुसार, ऐसे प्रयासों से प्रदेश में नए निवेश आएंगे और उभरती टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियाँ भोपाल की ओर आकर्षित होंगी। बैठक में क्रेडाई प्रतिनिधिमंडल ने गोवा सरकार की हालिया पहल की जानकारी भी मुख्य सचिव को दी, जिसके तहत गोवा सरकार क्रेडाई को नॉलेज पार्टनर बनाकर अपने इनोवेशन पार्क पर निवेश संवाद आयोजित कर रही है। मुख्य सचिव ने इस मॉडल को सराहनीय बताते हुए कहा कि राज्य सरकार ऐसे सफल उदाहरणों का अध्ययन कर उनकी उपयुक्त संभावनाएँ मध्यप्रदेश में भी देखेगी। क्रेडाई भोपाल ने मुख्य सचिव को 19-20 दिसंबर, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले क्रेडाई नेशनल कॉनक्लेव का औपचारिक निमंत्रण भी सौंपा। मुख्य सचिव ने तीन दिनों में सहमति देने का आश्वासन दिया।

माओवादियों को पूछताछ के लिए मध्य प्रदेश लाएगी पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ (एमएमसी) जोन के मप्र छोड़ दूसरे राज्यों में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को पूछताछ के लिए पुलिस मध्य प्रदेश लेकर आएगी। उनसे प्रदेश में हुए अपराधों में उनकी भूमिका, प्रशिक्षण, स्थानीय लोगों की मदद, हथियारों की आपूर्ति के बारे में जानकारी ली जाएगी।

आगे उनकी क्या रणनीति रहेगी, पुलिस यह भी जानने की कोशिश करेगी। प्रदेश की समर्पण नीति के अंतर्गत सरकार इन्हें लाभ देगी। एडीजी गुप्तवार्ता की अध्यक्षता में बनी समिति समर्पण करने वाले माओवादियों के बारे में एक-एक तथ्य का परीक्षण कर रही है। समिति की अनुशंसा पर माओवादियों को लाभ दिया जाएगा।

42 दिनों में 42 माओवादियों का सरेंडर

मध्य प्रदेश में 30 नवंबर से लेकर 11 दिसंबर के बीच 42 दिनों में 42 मोओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से तीन मोओवादी मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के और बाकी छत्तीसगढ़ के थे। बालाघाट में सात दिसंबर को आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादी और इसके पहले सरेंडर करने वाली सुनीता पुलिस हिरासत में है।

बाकी 29 माओवादी छत्तीसगढ़ या महाराष्ट्र पुलिस की हिरासत में हैं। इन्हें बारी बारी-बारी से मप्र लाकर पूछताछ की जाएगी। पूछताछ में पूरा फोकस उनको होने वाली फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति, उनके मददगार, परिवार का रुख, आपराधिक घटनाओं में संलिप्तता, बैंकों में किसी और के नाम से जमा की गई राशि सहित यह भी पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि जंगल में अभी भी हथियार छिपाकर तो नहीं रखे हैं।

डाकघरों में अब डिजिटल पेमेंट आसान: प्रदेश के 892 डाकघरों में लगीं 1092 क्यूआर/पीओएस मशीनें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नए एपीटी सॉफ्टवेयर लागू होने के बाद शाखा डाकघरों में पहले से ही मोबाइल के मा भोपाल। डाक विभाग ने ग्राहकों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक सुविधा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मध्यप्रदेश परिमंडल के अंतर्गत 892 डाकघरों में 1092 नई क्यूआर/पीओएस मशीनें लगाई गई हैं, जिससे ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा।

इस सुविधा से ग्राहकों को डाकघर में सेवाओं का भुगतान अब तुरंत और बेहद आसान तरीके से करने का विकल्प मिलेगा, साथ ही समय की बचत भी होगी। नए एपीटी सॉफ्टवेयर लागू होने के बाद शाखा डाकघरों में पहले से ही मोबाइल के माध्यम से डिजिटल पेमेंट की सुविधा उपलब्ध थी। अब विभागीय डाकघरों में डाइनैमिक क्यूआर कोड और पीओओस मशीनों के जरिए यह सेवा और सुगम हो गई है। डाक विभाग ने ग्राहकों से अपील की है कि वे इस नई सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें।

ट्रम्प के 'शांति' समझौते

था ईलैंड और कंबोडिया की ताजा झड़पें एक बार फिर साबित कर कर रही हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प जिन शांति समझौतों को अपनी बाहुबल की मिसाल बताकर दुनिया में ढोल-नगाड़ों के साथ बेचते रहे-वे समझौते असल में उतने ही टिकाऊ हैं जितने किसी त्यौहारी मेले में मिलने वाले प्लास्टिक के खिलौने। देखने में चमकीले, पर पहले ही झटके में टूट जाते हैं। भूभाग का पुराना झगड़ा, मंदिर का दावा और दोनों देशों की पुरानी अदावत-यह कहानी किसी फौजी टीवी सीरीज से कम नहीं। जुलाई में लड़ाकू विमान, मिसाइलें, धुआं-धमाका-सब कुछ दिख चुका था। दर्जनों जाने गईं और लाखों बेघर हुए। ठीक उसी वक्त ट्रम्प सुपरहीरो की एंट्री की तरह मंच पर कूद पड़े-मानो वे ही दुनिया के एकमात्र शांति- मसीहा हों। उन्होंने समझौता कराया और फिर उसका ऐसा बखान किया, जैसे विश्व इतिहास में इससे बड़ा कूटनीतिक चमत्कार कभी हुआ ही न हो। लेकिन चमत्कार का असर उतना ही रहा जितना किसी आतिशबाजी का-कुछ पल चमका और खत्म। नवंबर में थाईलैंड ने समझौता ठंडे बस्ते में डाल दिया और दिसंबर में तो सीधे कंबोडियाई ठिकानों पर हमला कर दिया। अब दोनों एक-दूसरे को दोष देने में व्यस्त हैं, पर एक बात साफ दिख रही है-दोनों देशों ने ट्रम्प की मध्यस्थता को ऐसे भुला दिया जैसे किसी पुरानी हॉलीवुड फिल्म का डायलॉग। यह बात ट्रम्प को शायद परेशान न करे- आखिर वे खुद को दुनिया का 'शहंशाह' मानने का ख्वाब देखने के आदी हैं। लेकिन हकीकत यह है कि अगर छोटे देश ही उनकी नहीं सुन रहे तो बड़े देशों के बारे में वे क्या उम्मीद रखते हैं? उनकी बाकी शांति यात्राओं का हाल भी कुछ खास नहीं। इजराइल-हमास समझौता तो वैसे ही ढह गया जैसे बारिश में कार्डबोर्ड का घर। हमले जारी हैं, तनाव जस का तस। कांगो-रवांडा की सुलह भी झरझराती इमारत की तरह गिरती दिख रही है। भारत और चीन ने उनकी 'दबाव नीति' को उसी हल्केपन से लिया जैसे कोई यूजर न पढ़ने वाले ऐप नोटिफिकेशन को देखता है-देखकर स्किप। और जहां तक रूस के राष्ट्रपति पुतिन की बात है-उनकी प्राथमिकताओं की सूची में ट्रम्प की सलाह शायद कहीं पीछे पड़ी धूल भरी किताब जैसी है। ट्रम्प की कोशिश है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का श्रेय भी वे झपट लें, लेकिन जेलेंस्की से लेकर यूरोपीय देशों तक-किसी ने भी इस इच्छा को गंभीरता से नहीं लिया। सच तो यह है कि ट्रम्प का बड़बोलापन अब न केवल मजाक बनता जा रहा है, बल्कि अमेरिकी प्रभाव के लिए भी सिरदर्द बन गया है। शांति समझौते गढ़ना आसान है, उन्हें निभाना कठिन। और यदि कोई नेता खुद को दुनिया का उद्धारक समझने लगे, तो यह काम और भी मुश्किल हो जाता है।

प्रदेश में मोहन सरकार के दो वर्ष

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर मप्र

सुरेश पचौरी
भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गतिशील सरकार 13 दिसम्बर 2025 को अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूरा कर रही है। इस अवधि पर एक विहंगम दृष्टि डालें तो स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि विगत 2 वर्षों में सरकार ने अपनी जनकल्याणकारी नीतियों, सतत् संचालित विकास कार्यों तथा योजनाओं के लोकव्यापीकरण से प्रदेशवासियों का दिल जीतने में काफी हद तक कामयाबी हासिल कर ली है। डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालने के ठीक बाद कहा था कि मेरी प्राथमिकताओं में समाज का वह सर्वहारा वर्ग प्रमुखता से शामिल है, जिसे सरकार से मदद की दरकार है और जिसने बड़ी आशा के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकहितैषी सरकार बनाने में अपना अहम् योगदान दिया। उन्होंने यह भी कहा था कि हमारी सरकार जनता की भलाई की दिशा में इतने ज्यादा उल्लेखनीय कार्य करेगी, जिससे मध्यप्रदेश विकास का एक अनुकरणीय मॉडल बनेगा। फिलहाल डॉ. यादव अपने कथन को फलीभूत करने में अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ जी-जान से कटिबद्ध हैं। वे अपने उन सत्संकल्पों की प्रतिपूर्ति के लिए न सिर्फ शिद्दत के साथ लगे हुए हैं, बल्कि एक सदाशयी जननेता के रूप में मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में ऊंचाइयों की ओर ले जाने की पुरजोर काशिश कर रहे हैं।

आज मध्यप्रदेश में चतुर्दिक विकास का पहिया घूमता हुआ आपको नजर आएगा। चाहे बिजली का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन हो, चाहे सड़कों का जाल बिछाने का सिलसिला हो, चाहे सिंचाई योजनाओं का विस्तार हो, चाहे उद्योग धंधों की स्थापना हो या फिर हर गांव में पीने का साफ पानी पहुंचाने की नल-जल योजना हो अथवा सुदूर आदिवासी इलाकों में शिक्षा व इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना हो, सरकार की ओर से आम आदमी को सुविधा तथा संसाधन उपलब्ध कराने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। गांव, कस्बा, नगर, शहर सर्वत्र नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ ही समस्या का निवारण हो रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से प्रदेश के लाखों अन्नदाता किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है, अपराधों में कमी आई है, गांव-गांव स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में चलाई जा रही अनेक योजनाएं तो देश के अन्य राज्यों के लिए नजीर बन चुकी हैं।

मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो वादे चुनाव के दौरान किए गए थे वे पूरे किए जा रहे हैं। यद्यपि किसी भी सरकार के लिए 2 वर्ष का समय पर्याप्त नहीं माना जा सकता लेकिन डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार घोषणा पत्र में उल्लेखित एक-एक बिंदु को योजनाबद्ध तरीके से अमली जामा पहना रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि विभिन्न इलाकों में बंटे मध्यप्रदेश के प्रत्येक भू-भाग में समरस भाव से विकास कार्य किए जा रहे हैं। न किसी तरह का भेदभाव है, न किसी क्षेत्र की उपेक्षा। शासन का लक्ष्य समूचे मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास कर उसे एक विकसित व आदर्श राज्य बनाने का है। मुख्यमंत्री जी ने तो सभी विधायकों से यहां तक कह दिया है कि आप अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए पूरे पाँच साल का प्लान बनाकर हमें दीजिए, हम उसे पूरा करने के लिए भरपूर राशि उपलब्ध कराएंगे। धन के अभाव में विकास कार्य बाधित नहीं होंगे। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सदाशयता का परिचायक तो है ही, साथ ही प्रदेश की जनता से किए गए वादों को पूरा करने की उनकी सरकार की संकल्पबद्धता भी है।

शाश्वत सत्य है कि यदि सही नीति और अच्छी नीयत के साथ कुशल व संवेदनशील नेतृत्व हो तो उसके परिणाम बहुत सुखद होते हैं। मध्यप्रदेश को इस मामले में सौभाग्यशाली राज्य माना जा सकता है कि इसे जहां एक ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन व वरदहस्त प्राप्त है तो दूसरी ओर है कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कुशल नेतृत्व। प्रधानमंत्री जी को मुख्यमंत्री की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा है और उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका इजहार भी किया है। प्रधानमंत्री मोदी जी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कई बार मध्यप्रदेश की सम-सामयिक उपलब्धियों का जिक्र कर चुके हैं। यह तो एक बानगी है। मध्यप्रदेश में महिलाओं, किसानों, युवाओं, वंचितों, निराश्रितों एवं जरूरतमंदों की भलाई के साथ-साथ स्व-सहायता समूहों के उत्थान के लिए इतने काम हुए हैं, जो बेमिसाल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कथन है कि प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत निर्माण के लिए ज्ञान (GYAN) गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान की जो बातें की हैं, वे हमारी सरकार के लिए ब्रह्मवाक्य है। इन्हीं चार आधार स्तंभों पर केन्द्रित समग्र विकास का रोडमैप मध्यप्रदेश में भी तैयार किया गया है और उसी दिशा में प्रदेश सरकार सेवारत है।

निःसंदेह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रदेशवासियों के हितों के मद्देनजर तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से निष्ठापूर्वक राजधर्म निभा रही है तथा एक लोकप्रिय सरकार बनने की दिशा में निरंतर कदम बढ़ा रही है। भौगोलिक दृष्टि से देश के इस बड़े राज्य के सामने जहां तमाम चुनौतियां हैं, वहीं जनता की अनगिनत अपेक्षाएं भी हैं। सरकार चुनौतियों से भी निपट रही है और जनापेक्षाओं को भी पूरा कर रही है। विकास सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और आशा की जानी चाहिए कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विकास के रथ को रुकने नहीं देगी। मध्यप्रदेश सरकार के उपलब्धियों भरे 2 वर्ष पूरे होने के अवसर यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके मंत्रिमंडल के ऊर्जावान सहयोगियों, राज्य की प्रशासनिक टीम तथा प्रदेश की जागरूक जनता को हार्दिक बधाई। प्रदेश सरकार गरीब कल्याण, युवा शक्ति, किसान कल्याण और नारी शक्ति मिशन लागू कर अंतिम पंक्ति के आखिरी व्यक्ति के कल्याण और उसके बेहतर भविष्य के निर्माण हेतु अवसर उपलब्ध करा रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की जो गंगा प्रवाहित हो रही है उससे मध्यप्रदेश भी अछूता नहीं है। नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में संचालित केन्द्रीय योजनाओं का मध्यप्रदेश को भरपूर लाभ मिल रहा है। केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण जनहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन से उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में मध्यप्रदेश देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी व ग्रामीण) आयुष्मान भारत योजना आदि।

विगत 2 वर्षों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की बात की जाए तो मध्यप्रदेश में भारत सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 46 हजार आवास से मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत 8 लाख 64 हजार आवासों का कार्य पूर्ण हो चुका है। गरीब बंदी सहायता योजना का क्रियान्वयन करने वाला प्रथम राज्य बना है। प्रदेश में 80 लाख 52 हजार घरों तक नल कनेक्शन दिए गए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में लगभग 85 लाख से अधिक हितग्राहियों को कुल 8 हजार 690 करोड़ से अधिक का लाभ प्रदान किया गया। प्रदेश के 82 लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि की 1671.00 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। आयुष्मान निरामयम भारत योजनांतर्गत 3 लाख एक हजार 496 परिवारों के सदस्यों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। राज्य में मातृ शक्ति को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाये गए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 9.70 लाख गर्भवती महिलाओं का 512 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता उपलब्ध कराई गई।

मध्यप्रदेश में निवेश: भोपाल में पिछले दिनों ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। इसके उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और समापन अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी विकसित राज्य बनाने के मुख्यमंत्री के अथक् परिश्रम और दृढ इच्छाशक्ति की प्रशंसा की। प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन अंतर्गत अब तक 8.57 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव धरातल पर आ चुके हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह सहायता योजनांतर्गत 1 लाख 52 हजार 353 हितग्राहियों को सहायता राशि रुपए 83844.39 लाख दी गई।

सिंहस्थ - उज्जैन: मध्यप्रदेश सरकार के सामने आने वाले दिनों में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ पर्व को सुसम्पन्न कराने की एक बड़ी चुनौती है। इस धार्मिक समागम में देश विदेश से करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इसे निर्विघ्न व गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की बागडोर संभालते ही शासन-प्रशासन के अधिकारियों को सिंहस्थ महापर्व की तैयारियां करने के निर्देश दे दिए थे, ताकि सारे काम समय पर पूरे हो जाएं। इसके लिए यथासमय बजट का आवंटन किया गया। वर्ष 2025-26 में सिंहस्थ 2028 के लिए 67 आवासीय भवन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। सिंहस्थ के अवसर पर दुनिया भर से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं तथा तीर्थयात्रियों को किसी तरह की तकलीफ न होने पाए, इसके लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही है। प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा धार्मिक पहचान रखने वाले प्रमुख स्थानों के साथ ही पर्यटन स्थलों को विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के चित्रकूट, उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा, मैहर आदि स्थानों को उनके प्राचीन गौरव, वैभव और गरिमा के अनुसार सजाया-संवारा जा रहा है। मध्यप्रदेश में द्रुत गति से विकास के काम जारी हैं। श्रीराम वन गमन पथ श्रीराम के कर्तव्य पालन और राष्ट्र निर्माण का समर्पण संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का आधार देगा। साथ ही राज्य शासन द्वारा उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ श्रीकृष्ण के स्मृति चिन्ह विराजमान हैं।

मध्यप्रदेश में नक्सल समस्या : मध्यप्रदेश में नक्सल मोर्चे पर सबसे बड़ी कामयाबी दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश में 2.36 करोड़ रुपए के इनामी 10 हार्डकोर नक्सलियों ने एके-47 समेत आई.एन.एस.ए.एस. राइफल, एस.एल.आर. और सिंगल शॉट गन जैसे घातक हथियारों के साथ मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने सरेंडर किया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

जीवन में जानना चाहते हैं कि सफलता कितनी आगे तक जाती है, तो आपको असम्भव को मात देकर आगे आना होगा।
-अज्ञात

हेल्थ टिप्स

शरीर को बीमार करती है विटामिन B12 की कमी, मोरिंगा के पत्तों से देसी उपचार

विटामिन बी12 शरीर की नसों और खून की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने पर थकान, कमजोरी, हाथ-पैरों में झुनझुनी, याददाश्त कम होना, जीभ में सूजन और एनीमिया जैसी समस्याएं दिखाई देती हैं। आमतौर पर इसका इलाज सप्लीमेंट्स और खाने-पीने की चीजों से किया जाता है। आयुर्वेद डॉक्टर कपिल ने बताया है कि मोरिंगा (सहजन की फली) से कैसे विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है और आपकी इसका कैसे इस्तेमाल करना चाहिए।

मोरिंगा सीधे तौर पर विटामिन बी12 नहीं देता लेकिन इसमें मौजूद आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी और बी-कॉम्प्लेक्स तत्व शरीर को बी12 को बेहतर ढंग से इस्तेमाल करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं, जिससे बी12 बेहतर तरीके से काम करता है। इसके अलावा मोरिंगा पाचन शक्ति को मजबूत बनाता है। अच्छा पाचन होने से विटामिन बी12 का अवशोषण बढ़ता है। इसकी पत्तियां एनर्जी बढ़ाती हैं और नसों को मजबूत बनाती हैं।

मोरिंगा को सब्जी, दाल, जूस या पाउडर के रूप में लिया जा सकता है। कई लोग इसकी पत्तियों को सुखाकर, शहद और नींबू के साथ छोटी गोलियां बनाकर भी खाते हैं। आजकल की तेज दौड़ती जिंदगी, गलत खाने की आदतें और अनियमित दिनचर्या के कारण शरीर में कई विटामिन और मिनरल की कमी होने लगती है। इन्हीं कारणों से विटामिन बी12 की कमी भी आम हो गई है।

विटामिन बी12 की कमी के लक्षण: विटामिन B12 की कमी होने पर शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है जैसे लगातार थकान महसूस होना, कमजोरी आना, मतली, उल्टी या दस्त होना, भूख न लगना, वजन कम होना, मुंह या जीभ में जलन या दर्द, त्वचा का पीला पड़ना, धुंधला दिखाई देना और चिड़चिड़ापन या तनाव बढ़ना।

निशाना खता करने से पहले..!

धर्मराज देशराज

हमारी ज़िन्दगी शायद सज़ा है
जिसे देखो ग़मों मे मुब्तिला है।
मिरे रब यार को मेरे सुकूँ दे
मिरे हिस्से का ग़म उसको मिला है।
ये राहे-इश्क़ है तू चल संभल कर
फ़क़त काँटों भरा ये रास्ता है।
लबों पर उज्र लगता है दिखावा
खुदा जाने कि उसके दिल में क्या है।
अजब सी कश्मकश है ज़िन्दगी में
मुझे यारब न कुछ भी सूझता है।
खता करने से पहले सोच लेना
खुदा अच्छा बुरा सब देखता है।
फरेबो - फंद में हम सब लगे हैं
यहाँ ईमान ही बस लापता है।

न्यू लॉन्च

गूगल अगले साल लाएगी दो AI चश्मे, एक में डिस्प्ले होगा और दूसरे में वॉयस सपोर्ट

गूगल के एआई पावर्ड चश्मे नए साल यानी 2026 में आएंगे। टेक दिग्गज गूगल ने 'द एंड्रॉइड शोः XR एडिशन' का आयोजन किया। इसमें कंपनी ने एंड्रॉयड एक्सआर (XR) प्लेटफॉर्म से जुड़ी बड़ी बातें बताईं और कुछ घोषणाएं भी कीं। गूगल ने बताया है कि वह सैमसंग गैलेक्सी एक्सआर (Galaxy XR) हेंडसेट के लिए 3 नए फीचर्स लाएगी। कंपनी ने 'प्रोजेक्ट ऑरा' (Project Aura) जैसे नए चश्मों की झलक भी दिखाई। एंड्रॉयड एक्सआर एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जिसमें किसी ऐप को XR हेडसेट और वायर्ड XR ग्लास डिवाइस के लिए डिजाइन किया जा सकता है।

गूगल के एआई चश्मे: रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने बताया कि वह अपने एआई पावर्ड ग्लासेज को अगले साल लॉन्च करेगी। यह लाइटवेट चश्मे होंगे और एंड्रॉयड XR प्लेटफॉर्म पर चलेंगे। स्मार्ट ग्लासेस को बनाने के लिए कंपनी- सैमसंग, जेंटल मॉन्स्टर और वॉरबी पार्कर के साथ मिलकर काम कर रही है। गूगल 2 तरह के स्मार्ट ग्लासेज बना रही है। एक ग्लास में सिर्फ वॉइस सपोर्ट मिलेगा। उसमें स्पीकर, माइक्रोफोन और कैमरा होंगे। डिस्प्ले का सपोर्ट नहीं होगा। दूसरे चश्मे में लेंस के अंदर एक डिस्प्ले होगा जो नेविगेशन और ट्रांसलेशन जैसी चीजें दिखाएगा। गूगल अभी अपने चश्मों पर फीडबैक ले रही है। सैमसंग के Galaxy XR हेंडसेट में 3 फीचर्स आ रहे हैं। पहला फीचर है 'पीसी कनेक्ट', जिसकी मदद से विंडोज पीसी को हेडसेट से कनेक्ट किया जा सकेगा। कहा जाता है कि इस फीचर के आने से गेमिंग के शौकीनों को खूब फायदा होगा। दूसरा फीचर है-'ट्रैवल मोड' (Travel mode)। इस फीचर की मदद से हिलने-डुलने वाली जगह जैसे- फ्लाइट, ट्रेन आदि में बिना किसी परेशानी के कंटेंट स्ट्रीम किया जा सकेगा। तीसरा फीचर है 'लाइकनेस' (Likeness)। इस फीचर की मदद से यूजर अपने चेहरे का अवतार बना सकेंगे। अवतार अपने यूजर को कॉपी करेगा और जब यूजर किसी से वीडियो कॉल में बात करेगा तो अपना चेहरा छुपाकर, अवतार को कॉल पर दिखा सकता है।

वायर्ड XR चश्मों को भी सपोर्ट: गूगल ने बताया कि एंड्रॉयड एक्सआर (Android XR) अब वायर्ड एक्सआर (wired XR) ग्लासेज को भी सपोर्ट करेगा। यह उन यूजर्स के लिए फायदेमंद होगा जो फुल हेडसेट नहीं पहनना चाहते। गूगल ने कहा है कि उसका मकसद ऐसी डिवाइसेज बनाना है जो लोगों की रोजाना की जिंदगी में आसानी से फिट हो जाएं।

यूजर्स गाइड

सर्दियों में सावधानी से इस्तेमाल करें रूम हीटर, हो सकता है जान का खतरा

ठंड के मौसम में कमरों की गर्माहट बनाए रखने के लिए अक्सर लोग कई तरह के हीटर का इस्तेमाल करते हैं। ब्लोअर, गैस हिटर या इलेक्ट्रिक हीटर के साथ सावधानी बरतना बहुत जरूरी है। अक्सर लोग ठंड से बचने के चक्कर में बिना किसी सावधानी बरते रूम हीटर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। अनजाने में की गई छोटी सी लापरवाही भी आग लगने, सांस संबंधी दिक्कत या फिर डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है। लंबे समय तक इसका इस्तेमाल किया जाए तो शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा घटने लगती है, जिससे चक्कर, थकावट, सिर दर्द या मतली जैसी शिकायत होने लगती हैं।

डॉक्टर सुरेंद्र कुमार जनरल फीजिशियन, दिल्ली के मुताबिक, बुजुर्ग बच्चों या सांस संबंधी रोगियों के लिए यह और भी ज्यादा खतरनाक है। इसलिए रूम हीटर का इस्तेमाल करने से पहले इसका सही उपयोग और सुरक्षित रहने के नियमों की जानकारी होनी जरूरी है। लंबे समय तक हीटर का लगातार प्रयोग करने से कई बार ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। इससे केवल रूम हिटर के खराब होने का खतरा ही नहीं बढ़ता बल्कि घर में आग लगने की संभावना भी बढ़ जाती है। कॉइल हीटर और ब्लोअर में यह समस्या अधिकतर देखने को मिलती है। इसलिए लंबे समय तक रूम हीटर चलाना सही नहीं है। दिन में एक-दो घंटे में इसे कुछ समय के लिए बंद करते रहें ताकि उपकरण को ठंडा होने का समय मिले। रूम हीटर को कंबल, गद्दे या पर्दे से कम से कम 3 से 4 फीट की दूरी पर रखें और सोने से पहले रूम हीटर जरूर बंद कर दें।

कार्बन मोनोऑक्साइड से सांस की समस्या केरोसिन हीटर या गैस हीटर का उपयोग करने पर सबसे बड़ा खतरा कार्बन मोनोऑक्साइड नामक गैस का होता है। यह एक रंगहीन और गंधहीन गैस है। अगर बंद कमरे में यह जमा होने लगे तो सांस संबंधी परेशानियां पैदा कर सकती है। जब कार्बन मोनोऑक्साइड हमारे शरीर में बढ़ जाती है तो ऑक्सीजन की मात्रा घटने लगती है और उलझन, सिर दर्द, सांस फूलना या बेहोशी जैसी दिक्कत हो सकती है। इसलिए ऐसे हीटर को हमेशा वेंटिलेशन वाले कमरों में ही चलाएं। रूम हीटर कमरे की हवा में मौजूद नमी को भी खत्म कर देता है। इससे हमारी त्वचा रूखी और आंखों में जलन जैसी समस्या भी हो सकती है। लगातार हीटर की गर्म हवा में रहने से शरीर का पानी बहुत तेजी से घटता है और डिहाइड्रेशन जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इससे बचने के लिए कमरे में किसी मीडियम साइज के बर्तन में पानी जरूर रखें या ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें, जिससे कमरे में नमी बनी रहे। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और शरीर की त्वचा को मॉइश्चराइजर से भी हाइड्रेशन दें।

न्यूज विंडो

बैठक में सांसद माया नारोलिया ने उठाए सुरक्षा-सुधार के मुद्दे

नर्मदापुरम। संसदीय शोध विस्तार भवन में भारत सरकार की 'महिला सशक्तिकरण संबंधी समिति' (2025-26) की बैठक आयोजित हुई।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने इसमें सदस्य के रूप में सक्रिय भागीदारी की। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष डी. पुरुन्देश्वरी ने की।बैठक का मुख्य विषय असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण पर महत्वपूर्ण प्रतिवेदन रहा। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने 'कारागारों में महिला कैदियों की स्थिति' पर विस्तृत ब्रीफिंग दी। समिति ने महिला कैदियों की सुरक्षा, सुविधाओं, परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास व्यवस्था में सुधार के बिंदुओं पर गहन चर्चा की।समिति का उद्देश्य महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर गहन अध्ययन कर नीतिगत सुधार सुनिश्चित करना है, जिससे जमीनी स्तर पर उन्हें वास्तविक लाभ मिले। सांसद माया नारोलिया ने कहा- महिलाओं के हित से जुड़े हर विषय को संसद के पटल तक पहुंचाना और ठोस समाधान सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।बैठक में मौजूद सदस्यों ने भरोसा जताया कि समिति के सुझाव महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को नई दिशा प्रदान करेंगे।

किसानों की समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा। किसानों की समस्याओं को लेकर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में बासौदा विधानसभा के त्योंदा में प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें खाद की किल्लत, मंडियों में सही मूल्य न मिलना, जंगलों की अवैध कटाई से जंगली जानवरों द्वारा फसलों का नुकसान, और सिंचाई हेतु दिन में 10 घंटे बिजली न मिलने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर प्रमुख मांगें थी। ज्ञापन में त्योंदा युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष भूपेंद्र दांगी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश माहेश्वरी, बहादुर सिंह दांगी,संतोष शर्मा, पंकज एलिया, रघु ठाकुर, गजेंद्र दांगी, गौरव शर्मा, दुर्ग सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ढोल बजाकर दी लोक अदालत की जानकारी, अधिभार में रहेगी छूट

सिरोंज। 13 दिसंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत की सूचना नगर पालिका द्वारा ढोल बजाकर लोगों को दी जा हरी है। गुरूवार शाम को नपा के अधिकारी और कर्मचारी ढोल बजाकर एलाउसमेंट वाहन से सड़क पर निकले। इस दौरान राजस्व निरीक्षक बालमुकुंद कुशवाह ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में जलकर, सम्पत्ति कर एवं नपा से जुड़े अन्य सभी कर के अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लोक अदालत में पहुंचकर नागरिक इस छूट का फायदा उठाऐं। इस दौरान उन्होंने शुक्रवार को लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार से जुड़ी जानकारी देते हुए बताया कि हाट बाजार नई सब्जी लगाया जाएगा। इस दौरान यदि कोई ठेला चालक या दुकानदार अन्य स्थान या सड़क पर दुकानदारी करते हुए मिला तो उन पर चलानी कार्रवाई की जाएगी।

शीलाबाई ने 15 परिवार को एकत्रित कर बनाई पांच लाख रुपए से सड़क

मंडीदीप। कहने को तो नगर पालिका ने नौ साल पहले ग्रामीण क्षेत्र शामिल किए गए थे। कहने को तो विकास के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ने चुनाव मैं वार्ड क लिए और नगर के लिए कई बातें की थी परंतु हकीकत यह है कि नगर पालिका के अंतर्गत आने वाला वार्डक्मां 16 में आज भी आमजन विकास के लिए मोहताज यदि परिवार में किसी की मौत होजए तो उसका शव उसे घर पर रखकर विदा भी नहीं कर सकते और तो और अपनी अपनी बेटी की विदाई भी अपने आंगन में नहीं कर सकते कारण घर के सामने तेरा परिवारों का आज भी ना तो रोड बना है और न नाली के ऊपर की ढक्कत है। पति की मौत के बाद जब उसके शव को शीला भाई ने घर से विदा नहीं कर पाई तो उसने यह बीड़ा 13 परिवार के साथ मिलकर उठाया जिसमें लगभग 5 लख रुपए से रास्तों की मरम्मत का काम किया और आने-जाने के लिए स्वयं के पैसे से सड़क का निर्माण कराया।वार्ड के रहवासियों ने बताया कि हमारे द्वारा एक साल पहले नपा अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल को वार्ड 16 के 38 लोगों के द्वारा ज्ञापन दिया गया परन्तु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। वार्डवासी शीला बाई ने बताया कि मेरे पति की मौत के बाद हमारे द्वारा उनके शव को हमने घर से विदा न कर सके तब से हमने ये ठान लिया सड़क हम वार्ड के रहवासी मिल कर रास्ते का निर्माण कराया।

कांग्रेस ने रेलवे अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोला, कहा- दर्ज करें एफआईआर

इटारसी। दोपहर मेट्रो

युवा कांग्रेस ने हाईवे स्थित द पार्क के सामने बने दो साल पुराने रेलवे ओवर ब्रिज की खराब गुणवत्ता और जनता को हो रही परेशानियों को लेकर रेलवे विभाग के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता 12 बंगला स्थित रेल विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय पहुंचे और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का ज्ञापन देना चाहा, लेकिन दफ्तर के बाहर ताला लगा मिला।

गुस्साए कांग्रेसियों ने रेल मंत्री की फोटो पर स्याही पोतकर विरोध जताया और कार्यालय के बाहर जाम लगाकर नारेबाजी की। कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवांकांत गुड्डन पांडे ने कहा कि जर्जर ओवर ब्रिज के संबंध में शिकायत देने आए थे, लेकिन अधिकारी मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया कि रेल मंत्री के फोटो पर स्याही पोतना इसलिए किया क्योंकि रेल मंत्री रेलवे विभाग के मुखिया हैं और उनकी ध्यानाकर्षण आवश्यक है।युवा कांग्रेस नर्मदापुरम के विधानसभा अध्यक्ष सौम्य दुबे ने कहा कि तत्कालीन अधिकारी और ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का ज्ञापन देने गए थे, लेकिन अधिकारी नहीं मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई जाएगी और जरूरत पड़ी तो सड़क पर उतरकर चक्का जाम भी किया जाएगा।इस विरोध प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवांकांत गुड्डन पांडे, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, अजय मिश्रा, अशोक जैन व अन्य कांग्रेसी शामिल रहे।

विदिशा जिले के गंजबासौदा में लोकायुक्त टीम की कार्रवाई

लटेरी में पदस्थ उपयंत्री को घर पर 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा

गंजसौदा। दोपहर मेट्रो

लटेरी जनपद पंचायत में पदस्थ उपयंत्री रामगोपाल यादव को लोकायुक्त टीम ने उनके निवास गंज बासौदा ग्राम हथोड़ा ड्रीम सिटी कॉलोनी से 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। लोकायुक्त की टीम ने बताया कि उपयंत्री के विरुद्ध एक माह पूर्व लिखित शिकायत हुई थी इसके बाद लगातार उपयंत्री यादव को ट्रेस किया जा रहा था। आज उन्हें उन्हीं के निवास से रिश्वत लेते हुए पकड़ा है।

लोकायुक्त की टीम ने बताया कि पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश पर व मनोज कुमार सिंह उपपुलिस महानिरीक्षक लोकायुक्त संगठन भोपाल के मार्गदर्शन में,भोपाल लोकायुक्त इकाई की ट्रेप कार्रवाई के दौरान यह कार्यवाही हुई है। कार्यवाही के दौरान प्रमुख रूप से डॉ.आर के सिंह उप पुलिस अधीक्षक, अजय मिश्रा उपपुलिस अधीक्षक, यशवंत ठाकुर, प्रआर, चैतन्य प्रताप सिंह आरक्षक, मनमोहन साहू, आरक्षक अमित विश्वकर्मा वाहन चालक उपस्थित रहे।

लोकायुक्त टीम ने लटेरी के कन्हैया लाल शर्मा निलंबित पंचायत सचिव ग्राम पंचायत धीरगढ़ एवं लाखन सिंह लोधी , उम्र 40 वर्ष, निवासी धीरगढ़ तहसील लटेरी के द्वारा लिखित शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक भोपाल को की गई थी जिसमें रिश्वत मांगे जाने की बात कही थी। लोकायुक्त के द्वारा लगातार रामगोपाल यादव पर निगाह थी गुरुवार की शाम जब घटनास्थल पर आरोपी उपयंत्री के निवास ड्रीम सिटी कॉलोनी में शिकायत करता रिश्वत के 30 हजार रुपए दे कर निकले वैसे ही लोकायुक्त की टीम उपयंत्री के निवास पर पहुंची और रुपयों के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया जानकारी के अनुसार जब टीम ने उपयंत्री यादव के हाथ धुलवाए तो वह कलर में हो गए। लोकायुक्त ने बताया कि आवेदक कन्हैया लाल शर्मा के पंचायत सचिव रहते हुए लगभग एक माह पूर्व ग्राम पंचायत धीरगढ़ में हुए सीसी सड़क निर्माण के मूल्यांकन हेतु आरोपी द्वारा 40,000 रुपए की मांग की जा रही थी, जिसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त भोपाल दुर्गेश राठौर से की गई , शिकायत सत्यापन पर सही पाये जाने पर ट्रेप टीम का गठन किया गया, ट्रेप टीम द्वारा आरोपी को उनके निवास गंजवासोदा में आवेदक से 30000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधन 2018 की धारा-7, के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।मीडिया की टीम ने पूरे मामले में जब आरोपी उपयंत्री रामगोपाल यादव से बात की तो उन्होंने बताया कि में इस पंचायत की जांच कर रहा हूं इसलिए मुझे फसाया जा रहा हूं में निर्दोष हूं मेरे साथ षडयंत्र हुआ है।

बालक आश्रम शाला सिद्धपुर का निरीक्षण

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद कर जानी शिक्षा की गुणवत्ता

लापरवाही पर शिक्षकों को जारी करें नोटिस

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने गुरुवार को सेमरी हरचंद के समीप स्थित शासकीय जनजातीय बालक आश्रम शाला छात्रावास सिद्धपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास एवं आवासीय विद्यालय की शैक्षणिक व आवासीय व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। कलेक्टर ने छोटे-छोटे विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए हिंदी, अंग्रेजी एवं गणित के प्रश्न पूछकर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता जांची।

उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई पर शिक्षकों को अभी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि बच्चों में सीखने की उच्च क्षमता है, लेकिन उन पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। उन्होंने गहन असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों का पाठ्यक्रम अभ्यास और पाठ अपूर्ण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आवासीय विद्यालय शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य को संबंधित शिक्षकों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की पढ़ाई, अभ्यास एवं सीखने की प्रक्रिया को प्राथमिकता से सुधारना होगा।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास के कक्ष, रसोईघर एवं भोजन कक्ष का भी जायजा लिया। रसोईघर पहुंचकर उन्होंने बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता परखी। साथ ही भोजशाला स्थित भोजन कक्ष का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि छात्रावास में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए तथा शौचालय सहित अन्य स्थानों की सफाई की नियमित निगरानी अनिवार्य हो।निरीक्षण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग विवेक नागवंशी, तहसीलदार अनिल झरबडे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष की जनसुनवाई... त्वरित कराई राशन पर्ची चालू, एक्सीलेंस स्कूल में बनेगी क्रिकेट पिच

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने हेतु जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। जिससे हर जनसुनवाई में आवेदकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। यहां तक कि अब पार्षद भी अपने वार्डों की समस्याओं का समाधान कराने जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं।

कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि गुरुवार को नगरपालिका कार्यालय में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा जनसुनवाई की गई। जिसमें नगर से संबंधित छोटी बड़ी करीब 15 समस्याएं आई। जनसुनवाई के दौरान वार्ड पार्षद बिंदिया मांझी, पार्षद नरेंद्र पटेल, पार्षद राहुल गौर, पार्षद संतोष उपाध्याय और पार्षद प्रतिनिधि तेजकुमार गौर द्वारा भी अपने वार्ड की समस्याएं बताकर समाधान करवाया। जनसुनवाई में उपयंत्री अंबक पाराशर, रीना गुप्ता, दीक्षा तिवारी, आयुषी रिछारिया, स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी, अतिक्रमण दल सहप्रभारी सुनील राजपूत सहित नपा के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। वार्ड 10 के नागरिकों ने बताया कि उनके यहां नाली नहीं है और पानी निकासी में दिक्कत आ रही है। नपाध्यक्ष द्वारा उपयंत्री निर्देशित कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड क्रमांक 15 में मकान के बाजू में पड़ी मकान निर्माण की सामग्री को हटवाया। साथ ही एक्सीलेंस स्कूल में क्रिकेट पिच बनाने की मांग भी आई जिसके पर नपाध्यक्ष ने त्वरित उपयंत्री को पिच बनाने संबंधी प्रक्रिया पूर्ण करने निर्देश दिए।

व्यवस्थित ढंग से धान खरीदी करें: कलेक्टर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने माखननगर एवं सेमरी हरचंद के धान उपार्जन केंद्रों–महावीर वेयरहाउस, श्री रंग वेयरहाउस एवं सीडब्ल्यूसी सेमरी हरचंद–का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महावीर व श्री रंग वेयरहाउस में उपार्जन संबंधी संसाधनों की कमी तथा नॉन-एफएक्यू स्कंद का उपार्जन पाए जाने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने दोनों केंद्रों के समिति प्रबंधकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उपार्जन केंद्र परिसर में अधिक मात्रा में धान संग्रहित पाए जाने पर भी कलेक्टर ने अप्रसन्नता जताई। उन्होंने अगले दो दिनों में धान की तुलाई एवं स्टेकिंग पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को सख्ती से निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में नॉन-एफएक्यू धान का उपार्जन न हो, यह सुनिश्चित करें। इसके लिए उपार्जन प्रक्रिया पर सतत निगरानी रखें तथा अधीनस्थ अमले और नोडल अधिकारियों को कार्यान्वयन के लिए सक्रिय करें।उपार्जन कार्य में सर्वेयर की जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक केंद्र पर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश उपखंड स्तरीय समितियों को दिए गए।

मेट्रो एंकर | तहसील कार्यालय में एसआईआर की समीक्षा बैठक में दी गई जानकारी

भोजपुर विधानसभा में 2,43,509 मतदाताओं ने कराया डिजिटाइजेशन एसआईआर से 22,180 लोगों के नाम हटे

1400 कर्मचारियों ने संभाली एसआईआर, 16 से होंगे दावे आपत्ति

अजय आहूजा। मंडीदीप

भारत सरकार द्वारा लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची में सुधार कर वोटर लिस्ट अपडेट की जा रही है। इसमें जिन लोगों की मृत्यु हो गई हो या जो लोग पलायन कर गए हो उनके नाम हटाए जा रहे हैं साथ ही वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जिन लोगों के नाम या पिता या महिलाओं पिता के नाम अंकित हो उसके आधार पर उनको पंजीकृत किया जा रहा है। तहसील कार्यालय में एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बीएलओ की एस आई आर की समीक्षा बैठक ली जिसमें बताया कि लगभग 1400 कर्मचारी एवं अधिकारियों ने घर-घर दस्तक देकर सब की जानकारी एकत्रित कर उन्हें पंजीकृत कराया जिसमें 1000 लोग आंगनबाड़ी नगर पालिका कर्मचारी सचिब रोजगार सहायक शिक्षक एवं पटवारी और 311 बी एल ओ के साथ 34 पर्यवेक्षकों की मदद से एसआईआर का कार्य पूर्ण किया गया। भोजपुर विधानसभा में 2 लाख 65 हजार 689 मतदाता है जिनमे 2 लाख 43 हजार 509 मतदाताओं ने डिजिटाई कराया है जो कि 91, 65 प्रतिशत रहा जिसमें नो मैपिंग के 3310 लोग 22180 नाम हटाए मृतकों की संख्या 3296 ओर पलायन 13416 लोग हुए साथ ही 4298 लोग अनुपस्थित मिले हैं।

नो मैपिंग वालों को भी मिलेगा मौका

स्पेशल रिजीबन एस आई आर में 3310 लोगो के नाम छूट गए हैं उन्हें एक महीने का मौका मिलेगा। इसमें उन्हें राशन कार्ड, आधार कार्ड, परिचय पत्र सहित 12 निर्धारित दस्तावेज है जिनमें से एक भी यदि मिलता है तो उनकी पहचान के आधार पर वह पात्रता की श्रेणी में आ जाएंगे उन्हें 16 दिसंबर से मौका मिलेगा। इस मौके पर नायब तहसीलदार रंजन चौहान, पटवारी अश्वनी मिश्रा, मुकेश गोस्वामी, मुकेश गुप्ता, विनीत गौतम, दशरथ मीणा, वीरेंद्र मीणा, देवेंद्र मीणा, राजकुमार मेहरा, दुर्गावती अहिरवार, अनूप शर्मा सहित समस्त बीएलओ और राजनीतिक दल के अनेक लोग मौजूद थे।

टाइगर रिजर्व बाघ-बाघिन किस वंश के ये जानने होगी डीएनए की प्रोफाइलिंग

विशाल रजक।दमोह/तेन्दूखेड़ा!

पूरे देश में इन दिनों बाघों की गणना का काम चल रहा है। इस बार बाघों की संख्या के साथ बाघों की वंशावली से जुड़ी कई रोचक जानकारियां भी दी जाएगीं। भारतीय वन्य जीव संस्थान (वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) देहरादून इस बार बाघों की गणना के साथ-साथ उनके डीएनए प्रोफाइलिंग पर भी काम कर रहा है। बाघों की गणना के साथ डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए बाघों का स्कैट (मल) सैंपल के तौर पर इकट्ठा किया जा रहा है. जिसे डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान भेजा जाएगा।

बाघों की गणना के साथ-साथ ये काम व्यापक तौर पर किया जा रहा है। विशेषज्ञों और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों का कहना है कि ये बाघों की भविष्य की पीढ़ियों और उनसे संबंधित जानकारियों के लिए एक बड़ा और अहम कदम उठाया जा रहा है। इससे न सिर्फ बाघों की वंशावली का पता लग जाएगा। बल्कि बाघों के भोजन, उनको एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने में जेनेटिक वैरिएशन रखने में मदद मिलेगी और डीएनए प्रोफाइलिंग के आधार पर बाघों की भविष्य की प्रगति में सुधार किया जा सकेगा। इसका कुल क्षेत्र 2339 वर्ग किमी, कोर एरिया का क्षेत्रफल 1414 वर्ग किमी और बफर एरिया 925.12 वर्ग किमी है। यहां कोर एरिया में बाघों की गणना के लिए 1200 वर्ग किमी में ट्रैप कैमरा लगाए गए हैं। 2022 में हुई बाघों की गणना में नौरादेही वन्यजीव अभ्यारण में गणना की गई थी, क्योंकि इसे राष्ट्रीय बाघ संरक्षण योजना में शामिल कर 2018 में एक बाघ और बाघिन छोड़े गए थे। इस बार बाघों की गणना 2 चरणों में की जा रही है. पहला चरण 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा और दूसरा चरण 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक चलेगा। गणना के लिए 2 वर्ग किलोमीटर का ग्रिड बनाकर कोर एरिया के 1414 वर्ग किलोमीटर के 1200 वर्ग किलोमीटर में ट्रैप कैमरा लगाये गए हैं।

गणना के साथ बाघों की डीएनए प्रोफाइलिंग

इस बार की बाघों की गणना के साथ-साथ उनकी डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए डीएनए सैंपलिंग का काम भी किया जा रहा है। हालांकि, भारतीय वन्यजीव संस्थान ने गणना के दौरान सभी तरह के मांसाहारी प्राणियों की डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए कहा है। लेकिन बाघों की डीएनए प्रोफाइलिंग विशेष तौर पर की जा रही है। डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए बाघों की गणना के साथ-साथ उनके स्कैट (मल) को इकट्ठा किया जा रहा है। इसके लिए गणना में लगे वन्य कर्मियों को विशेष तौर पर प्रशिक्षण दिया गया है। भारतीय वन्यजीव संस्थान ने सैंपल इकट्ठा करने के लिए एक सिलिका वाला जिप बैग मुहैया कराया गया है।

बाघ को क्या पसंद है मल से चलेगा पता

अंसारी के मुताबिक मल में शिकार करने वाले जानवरों के बाल मिलते हैं, जिससे हमें ये पता चल जाता है कि वो किस तरह के जानवरों को भोजन के तौर पर पसंद करता है। जब हम किसी बाघ को एक जगह से दूसरी जगह भेजते हैं, तो आनुवंशिक भिन्नता के हिसाब से भी प्रबंधन कर सकते हैं। ये बाघ संरक्षण के हिसाब से बहुत महत्वपूर्ण और नया काम है. हमारे पास सभी बाघों की एक तरह से वंशावली तैयार हो जाएगी कि वह कहां के हैं, कहां और किस बाघ से उनका जन्म हुआ।

बाघों की वंशावली की मिलेगी जानकारी

वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट अजय दुबे ने बताया कि नौरादेही टाइगर रिजर्व में इस बार जो बाघों की गणना चल रही है। वहां पर गणना के अलावा बाघों की डीएनए सैंपलिंग भी की जा रही है। निश्चित तौर पर ये एक अच्छा कदम है। बाघों का उस इलाके में जो मूवमेंट है, उन बाघों का बैकग्राउंड जानना भविष्य की पीढ़ियों के लिए और वन विभाग के अधिकारियों की जानकारी के लिए एक बहुत बड़ी संपत्ति होगी। इस तरह की जानकारी का डेटा बैंक और इस बार की बाघों की गणना में जो नए आयाम हैं, वो निश्चित तौर पर बदलती दुनिया के लिए काफी जरूरी हैं. मैं उम्मीद करता हूं कि न सिर्फ नौरादेही बल्कि दूसरे टाइगर रिजर्व में इसी गंभीरता से सैंपल कलेक्शन हो रहा होगा। ताकि बाघों की डीएनए प्रोफाइलिंग हो सके।

न्यूज विंडो

बडकुही बस स्टैंड पर देर रात युवकों के दो गुट आपस में भिड़े

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के बड़कुही बस स्टैंड पर देर रात साडा अड्डा कैफे के सामने आठ से दस युवकों के दो गुट आपस में भिड़ गए। किसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया और एक पक्ष ने दूसरे पर लात-घूंसे चलाए। घटनास्थल बस स्टैंड की मुख्य सड़क होने के कारण कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवाद किस वजह से शुरू हुआ यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। दोनों पक्षों के युवक बड़कुही के ही रहने वाले हैं। हाथापाई में कुछ युवकों को हल्की चोटें आई हैं।

बरही वन क्षेत्र में बाघ ने बकरी चरा रही महिला पर किया हमला, घायल

कटनी। कटनी जिले के बरही वन क्षेत्र में एक बाघ ने खेत में बकरी चरा रही महिला पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वन विभाग की टीम ने तुरंत उन्हें बरही अस्पताल पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत देखकर उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया। वन विभाग ने तुरंत मदद के तौर पर महिला के परिवार को 10,000 रुपए दिए हैं। साथ ही विभाग ने इलाके में बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए खोज अभियान शुरू किया है और ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है।

सिहोरा में युवक को सड़क पर लेटाकर गोलियों से मार हत्या

जबलपुर। जबलपुर के सिहोरा में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक पर जा रहे युवक को दो बदमाशों ने रोका। एक बदमाश ने उसे पकड़कर सड़क पर पटक दिया। दूसरे ने युवक से सिर से सटाकर तीन गोलियां चला दीं। वारदात का वीडियो भी सामने आया है। वारदात खितौला थाना इलाके में बारीबहु स्टेडियम के पास गुरुवार दोपहर करीब एक बजे की है। हमलावर जिस मोटरसाइकिल पर आए थे, उसी पर बैठकर भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। युवक को सिहोरा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि धर्मेंद्र का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। हालांकि, पुलिस ने इस बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

चौकी के नजदीक चल रहा था देह व्यापार, पुलिस ने मारा छापा

पांढुर्णा। जिले के सौसर में रेमंड चौक स्थित पुलिस चौकी से मात्र 200 मीटर दूर एनएन लॉज में देह व्यापार का धंधा चल रहा था। सौसर एसडीपीओ प्रियंका पांडे और लोधीखेड़ा थाना प्रभारी एबी मर्सकोले के नेतृत्व में 20 से अधिक पुलिसकर्मियों ने लॉज पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने 6 युवक, 7 युवतियों और एक 62 वर्षीय बुजुर्ग को हिरासत में लिया। पुलिस की छापेमारी के दौरान होटल के पिछले हिस्से का एक गेट खुला होने के कारण तीन युवक मौके से भागने में सफल रहे। पुलिस ने होटल के कमरों से कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं भी जब्त की हैं।

वन विभाग की भूमिका संदिग्ध, आरोपियों के बचाव में आ रहे नजर

काले हिरण के शिकारी डॉक्टर समेत तीन आरोपियों से एसटीएफ ने भी की पूछताछ

सागर। दोपहर मेट्रो

राहतगढ़. राहतगढ़ क्षेत्र में बीते दिनों काले हिरण के शिकार के मामले में अंतरराज्यीय तार जुड़ने के बाद जिले के वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। सूत्रों की माने तो काले हिरण के शिकार के मामले में मुख्य शिकारी डॉ. वसीम खान समेत दो अन्य आरोपियों से एसटीएफ ने भी पूछताछ की है। पूछताछ में क्षेत्र के तीन और लोगों के नाम शामिल हैं, जिनकी तलाश वन विभाग की टीम ने शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि शुरुआती जांच में तीनों आरोपियों से एसटीएफ ने एक-एक कर और अलग-अलग भी पूछताछ की है। हर संभव पहलू की बारीकी से जांच करने के बाद टीम की मौजूदगी में ही आरोपियों को मौका-ए-वारदात पर ले जाने की भी बात सामने आई है, ताकि क्राइम सीन को समझ सकें, लेकिन इसमें जिले के वन विभाग की भूमिका संदिग्ध रही। बताया जा रहा है कि एसटीएफ आरोपियों की सीडीआर भी निकाल रही है। डीएफओ प्रशिक्षु जयप्रकाश ने बताया कि काले हिरण के मामले में एसटीएफ ने भी पूछताछ की है। आरोपियों की कॉल डिटेल निकाली जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। जांच-पड़ताल जारी है।

रिमांड खत्म होने के दो दिन पहले ही कोर्ट में किया पेश, जेल भेजा

काले हिरण का शिकार करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। शिकारियों के पास से मादा हिरण का 10 किग्रा मांस और एक 22 बोर की राइफल, 15 जिंदा कारतूस, तीन खाली कारतूस और दो सागौन की सिल्ली बरामद की गईं थीं। दो चार पहिया वाहनों को भी जब्त किया था। आरोपियों में डॉ. वसीम खान, ओमकार आदिवासी और राजू आदिवासी को गिरफ्तार किया था, जिनको 12 दिसंबर तक की रिमांड पर लिया था, लेकिन किसी खास वजह से उन्हें 10 दिसंबर को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

सुपर स्पेशलिटी की होगी शुरुआत

बीएमसी के न्यूरोसर्जरी विभाग को जल्द मिलेंगे विशेषज्ञ डॉक्टर

सागर। दोपहर मेट्रो

बीएमसी (बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय) के न्यूरोसर्जरी विभाग में में खाली पड़े पदों पर सरकार ने पदस्थापना आदेश जारी कर दिए हैं। अब इस विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि दोपहर मेट्रो ने खाली पड़े पदों के मामले को पिछले दिनों प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री व सागर के प्रभारी मंत्री डॉ. राजेंद्र शुक्ल ने संज्ञान में लिया और मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए बीएमसी (बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय) के न्यूरोसर्जरी विभाग में आवश्यक पदस्थापनाएँ की गई हैं। इसी के साथ अब बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी की भी शुरुआत हो गई है, जिससे न केवल सागर बल्कि संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा। यह आदेश स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और मेडिकल शिक्षण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ सौरभ जैन ने बताया कि जारी आदेश के अनुसार न्यूरोसर्जरी विभाग में तीन पदों पर पदस्थापनाएँ की गई हैं, जिनमें प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक स्तर के पद शामिल हैं। चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे निरंतर सुधारों के लिए डीन डॉ. पीएस ठाकुर सहित संपूर्ण बीएमसी परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल के प्रति आभार व्यक्त किया है।

खबर का असर

बीएमसी खरीद रहा बेशकीमती जांच के उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टर्स का है टोटा

दोपहर मेट्रो में 29 अक्टूबर को प्रकाशित खबर

कटंगी वन परिक्षेत्र जंगल में एक मादा बाघ का शव मिला

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के कटंगी वन परिक्षेत्र अंतर्गत आंजनबिहरी गांव के जंगल में एक मादा बाघ का शव मिला है। घोडदेव बाबा मंदिर के पास कक्ष क्रमांक 562 में ग्रामीणों ने बाघिन को मृत अवस्था में देखा, जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई।

कुछ ग्रामीण घोडदेव बाबा मंदिर की ओर गए थे, जहां उन्हें तेज बदबू महसूस हुई। दूर से सोई हुई बाघिन दिखी, लेकिन काफी देर तक कोई हलचल न होने पर पास जाकर देखा तो वह मृत अवस्था में थी। ग्रामीणों ने तत्काल कटंगी वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन अमला वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचा। वन विभाग ने पूरे क्षेत्र को सील कर दिया है ताकि किसी भी तरह के साक्ष्य से छेड़छाड़ न हो।

एसपी ने दुर्घटना संभावित स्थलों का निरीक्षण किया, सुरक्षा इंतजाम पर की जाएगी चर्चा

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सक्रिय रुख अपनाया है। गुरुवार दोपहर पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा ने नर्मदापुरम से डोलरिया, सिवनी मालवा होते हुए शिवपुर मार्ग तक का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ ट्रैफिक विभाग के एसडीओपी संतोष मिश्रा और सिवनी मालवा एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान टीम ने उन सभी स्थानों को चिन्हित किया, जहाँ इस वर्ष सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएँ हुई हैं। पुलिस अधीक्षक ने पूरे मार्ग पर यातायात व्यवस्था, सड़क की चौड़ाई, साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, तथा मोड़ों पर विजिबिलिटी की स्थिति की बारीकी से जांच की। एसपी साईं कृष्णा थोटा ने बताया कि जिले में कुछ स्थानों पर बार-बार हादसे होने की जानकारी सामने आई है। वर्ष के अंत में इन सभी दुर्घटना बिंदुओं की समीक्षा कर यह समझने का प्रयास किया जा रहा है कि किन कारणों से दुर्घटनाएँ बढ़ रही हैं और उन्हें रोकने के लिए क्या प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा की रोड पर लगातार एक्सीडेंट हो रहे हैं। हम साल के अंत में समीक्षा कर रहे हैं कि ऐसे कौन-कौन से पॉइंट हैं जहाँ दुर्घटनाएँ अधिक हो रही हैं और उन्हें कम करने के लिए क्या किया जा सकता है। उन्होंने बतया की कल नर्मदापुरम से पिपरिया तक निरीक्षण किया गया था, आज नर्मदापुरम से शिवपुर तक के पॉइंट्स देखे जा रहे हैं। सभी चिन्हित स्थानों को सड़क सुरक्षा की आगामी मीटिंग में रखा जाएगा। पुलिस प्रशासन का मानना है कि इन निरीक्षणों के बाद मार्ग पर सुरक्षा सुधार के लिए ठोस निर्णय लिए जाएंगे, जिससे दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकेगी। इस दौरान सिवनी मालवा थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर डोलारिया थाना प्रभारी हाकम सिंह पटेल सहित पुलिस स्टाफ उपस्थित था

मेट्रो एंकर नगरनिगम कर वसूली के लिए सख्त, जारी रहेगा अभियान

बीएमसी पर 57 लाख व रेलवे पर 18 लाख से अधिक संपत्ति कर बकाया

सागर। दोपहर मेट्रो

निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने नगर निगम की आर्थिक मजबूती के लिए दिसंबर को राजस्व वसूली माह बताते हुए अभियान चलाकर अधिक से अधिक करों की वसूली के निर्देश नगर निगम के राजस्व विभाग को दिये थे। अभियान के तहत विगत दिनों निगमायुक्त ने मौके पर पहुंचकर दुकानें सील करने और मौके पर ही संपत्तिकर वसूली की कार्यवाही भी कराई। निगमायुक्त के निर्देशानुसार नॉन द्वारा सम्पत्तिकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, जलकर, व्यवसायिक दुकानों का किराया आदि बकायादारों से वसूली तेज कर दी गई है। नगर पालिक निगम सागर अंतर्गत रहवासी, व्यवसायिक एवं अन्य निजी एवं शासकीय सम्पतियों की बकाया कर राशि जमा करने हेतु संबंधितों को नोटिस भी जारी किये जा रहे हैं। नोटिस में सम्पत्तिकर जमा करने हेतु निधारित समय सीमा में बकाया कर राशि अधिनियम की धाराओं के तहत निगमानुसार सम्पत्ति कुकों की कार्यवाही की जाएगी।

बड़े बकायादारों सहित शासकीय कार्यालयों को दिए गए नोटिस

सुप्रिडेंट गवर्मेंट आईटीआई 32,08,533 रूपये, रेल्वे स्टेशन 18,65,646 रूपये, घुदेलखंड मेडिकल कॉलेज - 57,54,309 रूपये, पी डब्लू डी अभिभोगी शासकीय क्वार्टर-936156 रूपये, गर्ल्स डिग्री कॉलेज 9,20,823 रुपये, सहोद्रा राय शासकीय पोलिटेक्निक कॉलेज 7,52,506 रुपये, बी एम सी चॉपज खैस्टल 6,74,739 रुपये, जिला अस्पताल 6,42,088 रूपये, सईस्कूल स्वीडिस मिशन 5,89,763रूपये, वन विभाग कॉलोनी 5.67,761 रूपये बकाया है. इसके अलावा अन्य बकायादारों को भी नोटिस जारी किये गये हैं.

2028 ओलंपिक : लॉस एंजिलिस में बनेगा इतिहास, पहली बार महिला एथलीट बहुमत में

पहली बार खेलों में पुरुष एथलीटों की तुलना में ज्यादा होंगी महिला खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी

तीन साल बाद 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों ने शुरुआत से पहले ही इतिहास रच दिया है। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इन खेलों के इतिहास में पहली बार महिला एथलीट बहुमत में दिखेंगी यानि पुरुष एथलीटों की तुलना में महिला खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा होगी।

पेरिस ओलंपिक में पहली बार 50 फीसदी महिला एथलीट उतरी थीं, लेकिन इस बार संख्या इसके पार पहुंचेगी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के जारी खेलों के कार्यक्रम के अनुसार 2028 ओलंपिक में 36 खेलों में 5,655 महिला और 5,543 पुरुष खिलाड़ी शिरकत करेंगे। आईओसी के खेल निदेशक किट मैककोनेल ने कहा, यह कार्यक्रम वास्तव में ओलंपिक इतिहास में पहली बार महिला एथलीटों को उनके समानता के हक का एहसास कराएगा। अमरीका में वैसे भी महिला फुटबॉल काफी लोकप्रिय है, ऐसे में मेजबान होने के कारण उसे इसका फायदा भी मिलेगा। हम इसके जरिए खेलों में समानता का संदेश देना चाहते हैं।

1928 ओलंपिक में उतरी थीं 9.6 फीसदी महिला एथलीट

वाटर पोलो व मुक्केबाजी में समान- फुटबॉल के अलावा महिला वाटर पोलो में दो और टीम जोड़ी गई हैं, वहीं मुक्केबाजी में अतिरिक्ति भार वर्ग शामिल किया गया है। अब ओलंपिक में वाटर पोलो के पुरुष व महिला वर्ग में 12-12 टीमें हिस्सा लेंगी, वहीं मुक्केबाजी में भी पुरुष और महिला वर्ग में 7-7 भार वर्गों में खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह भी पहली बार होगा।

फुटबॉल में बड़ा बदलाव

सबसे बड़ा फेरबदल ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धाओं में देखने को मिलेगा। आइओसी ने महिला फुटबॉल टीमों की संख्या बढ़ाकर 16 कर दी है, जबकि पुरुषों की घटाकर 12 टीम कर दी है। इसका बड़ा कारण यह है कि ओलंपिक में पुरुष टीमों में अंडर 23 खिलाड़ी उतरते हैं। ऐसे में स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में प्रशंसक इस ओर आकर्षित नहीं हो पाते हैं।

सम्राट ने जीता गोल्ड मेडल

नईदिल्ली. एजेंसी

युवा भारतीय निशानेबाज सम्राट राणा ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। करनाल के सम्राट ने फाइनल में 243.7 अंक हासिल कर चीन के हू काई को पछाड़ा। काई ने 243.3 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले भारत के वरुण तोमर ने 221.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता। इस बेहद रोमांचक फाइनल में तीनों निशानेबाजों का स्थान लगातार ऊपर-नीचे होता रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोमवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में पदक जीतने से चूक गयी। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा चल रहा था लेकिन 14वें निशाने में 8.8 का खराब स्कोर करने के कारण वह शीर्ष स्थान से फिसलकर सातवें स्थान पर आ गई।

टीम इंडिया की करारी हार, कटक का रिवर्स चंडीगढ़ में

क्रिकेट के खेल को अनिश्चितताओं का खेल आज के युग मे टेस्ट और वनडे से ज्यादा टी20 फॉर्मेट की वजह से कहा जा सकता है।दरअसल किसी ने भी यह सोचा नहीं होगा कि कटक में पहला टी20 धमाकेदार अंदाज में 101 रन से जीतने वाली टीम इंडिया का चंडीगढ़ में यह हाल देखने को मिलेगा। कटक में मिली हार को रिवर्स करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम ने शानदार जीत हासिल कर 5 मैचों की सीरीज को बराबरी पर ला दिया है। सही मायने में टी20 वर्ल्ड कप की खिताबी भिड़ंत वाली दो टीमों के बीच शुरुआती 2 मैचों की उठापटक ने पूरी सीरीज को अब बेहद रोमांचक बना दिया है। अगर हम टीम इंडिया की इस शिकस्त की बात करें तो अफ्रीकी टीम ने चंडीगढ़ के मैदान पर कटक के शेरों को हर मुकाम पर ढेर कर दिया है। जैसा की हमने सीरीज के आगाज में ही कहा था कि इस फॉर्मेट में टॉस,ओस ओर पिच के कोई मायने नहीं वाले हैं।कोई भी एक खिलाड़ी इस फॉर्मेट में मैच का रुख पलटने में अहम किरदार निभा सकता है। ठीक ऐसा ही कुछ अब तक के दोनों मैचों में देखने को भी मिला है। पहले मैच में जहां हार्दिक पांड्या ने बाजी पलट दी थी,वही दूसरे मुकाबले में डी कॉक ने मैच का रुख तय किया।वैसे तो दोनों ही मैचों में गेंदबाजों का रोल भी नकारा नहीं जा सकता,लेकिन मैच के असल विजेता यही खिलाड़ी रहे जो मैन ऑफ द मैच भी बने। दोनों ही मैच में टॉस जीतने वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा।क्रिकेट के तमाम जानकार यहां तक कि दोनों टीमों के कप्तान ने भी भले ही टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने की वजह ओस बतायी हो,लेकिन जब स्कोर बोर्ड पर रन लगे होते हैं तो फिर ओस,टॉस या पिच का किरदार निर्णायक नहीं रह जाता है।हाल फिलहाल के दो मैचों में तो यह बात साफ नजर आयी है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि बचे हुए 3 मैचों में टॉस जीतने वाले कप्तान का नजरिया क्या रहता है। क्या वह अब भी ओस से बचकर स्कोरबोर्ड प्रेशर को जीतने की कोशिश करेंगे या फिर बिना प्रेशर वाली पहले बल्लेबाजी करने के पैटर्न को अपनाते हैं। वैसे अगर हम बात चंडीगढ मैच की करें तो अफ्रीकी टीम ने पहले मैच की हार से सबक लेते हुए कई अहम बदलाव किए वहीं टीम इंडिया ने कोई फेरबदल नहीं किया। टीम इंडिया की घरेलू मैदान पर इस फॉर्मेट की सबसे बड़ी हार की कई वजह कही जा सकती हैं। बल्लेबाजी में जहां गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। दोनों की काबलियत पर कोई शक भले ही न हो लेकिन टीम मैनेजमेंट का बल्लेबाजी क्रम में छेड़खानी का सिलसिला अब भी समझ से परे है।दरअसल इस मैच में एक बार फिर तमाम बल्लेबाजों से पहले अक्षर पटेल को 3 नंबर पर भेजने के मायने क्या हैं।क्या वाकई वह सूर्यकमार,तिलक वर्मा और पंड्या से ज्यादा बाजी पलटने की अहमियत रखते हैं। अगर बात सिर्फ लेफ्ट हैंडर की हो तो भी तिलक वर्मा हर कसौटी पर उससे बेहतर हैं। खैर मैनेजमेंट की सोच और नजरिया बल्लेबाजी क्रम की इस उठापटक पर क्या था,यह तो वो ही समझ सकते है। टीम इंडिया की बल्लेबाजी से हटकर अगर बात गेंदबाजी की करें तो फिर कटक में अफ्रीकी टीम को 74 रनों पर समेटने वाले गेंदबाजों की इस मैच में मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने धज्जियां उड़ा दी है। टी 20 फॉर्मेट में ओवर की सबसे ज्यादा ज्यादा गेंदे फेकने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करवाने वाले अर्शदीप सिंह के अलावा टीम के सुपरस्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी घटिया गेंदबाजी की।दोंनो तेज गेंदबाजों ने कुल 8 ओवर में 99 रन खर्च कर दिये,जबकि पहले मैच में यही गेंदबाज कातिलाना अंदाज में गेंदबाजी कर रहे थे।मेरे नजरिये में टॉस जीतकर अफ्रीकी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्यौता देना इसकी सबसे बड़ी वजह रही है। दरअसल ऐसा कई बार हुआ है जब अफ्रीकी बल्लेबाज पहले बल्लेबाजी करके तो धमाल कर देते हैं लेकिन जब वह किसी भी लक्ष्य का पीछा करते हैं तब वह बिखर कर ढेर हो जाते हैं।मतलब साफ है कि अगर साऊथ अफ्रीका के बल्लेबाजों को काबू में रखना है तो उनको पहले बल्लेबाजी देने से बचना होगा। दोनों टीमों के बीच अब 3 भिड़ंत ओर होंगी धर्मशाला के बाद लखनऊ और अहमदाबाद में होने वाले इन मैचों में टीम इंडिया का एकादश संयोजन भी अहम होगा।सीरीज का फैसला क्या होगा यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन एक बात तय है कि अगर टीम इंडिया को सीरीज में फतह हासिल करनी है तो उसके मैनेजमेंट ओर कप्तान को अपनी सोच और नजरिये में कुछ वदलाव करना पड़ेगा,फिर चाहे वह टॉस जीत कर बल्लेबाजी चुनना हो या फिर एकादश में बड़े बदलाव ही क्यों न हो, जोखिम तो लेने ही पड़ेंगे।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

भारत की घर में सबसे बड़ी हार

बुमराह को पहली बार टी-20 इनिंग में 4 सिक्स लगे, अर्शदीप ने 13 बॉल का ओवर फेंका

न्यू चंडीगढ़. एजेंसी

टीम इंडिया मुल्लांपुर स्टेडियम में अपना पहला इंटरनेशनल मैच हार गई। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में भारत को 51 रन से हराकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। प्रोटियाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 213 रन बनाए, जिसके जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में कई बड़े रिकॉर्ड और दिलचस्प मोमेंट्स देखने को मिले। भारत को घर पर रनों के हिसाब से सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। जसप्रीत बुमराह को अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार एक इनिंग में 4 छक्के लगे। अर्शदीप सिंह ने एक ओवर में 7 वाइड डाल दीं, जिसके कारण उनका ओवर 13 गेंदों का हो गया। वहीं तिलक वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में कुल 27 छक्के लगाकर भारतीय बल्लेबाजों में टॉप स्थान हासिल कर लिया। भारत को घरेलू मैदान पर सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। इससे पहले इंदौर में 4 अक्टूबर 2022 को भी भारत को साउथ अफ्रीका ने 49 रन से हराया था। तिलक वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 27 छक्के लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 25 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं, जिनके नाम 19 छक्के दर्ज हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह को अपने टी20 करियर में पहली बार एक ही पारी में चार छक्के पड़ गए। यह उनका 82वां टी-20 इंटरनेशनल मैच था। इससे पहले किसी भी मैच में उन्हें तीन से ज्यादा छक्के नहीं लगे थे। उनका पिछला सबसे खराब रिकॉर्ड 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, तब उन्हें तीन छक्के पड़े थे। अर्शदीप सिंह ने 13 गेंदों का ओवर फेंककर एक अनोखा रिकॉर्ड बना दिया। फुल मेंबर देशों के मैचों में यह अब तक का सबसे लंबा ओवर रहा। साउथ अफ्रीका की पारी का 11वां ओवर करते हुए अर्शदीप ने 7 वाइड फेंक दीं, जिसकी वजह से ओवर 13 गेंदों तक खिंच गया। इससे पहले ऐसा रिकॉर्ड 2024 में बना था, जब अफगानिस्तान के नवीन-उल-हक ने हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ 13 गेंदों का ओवर डाला था।

रवींद्र जडेजा की पत्नी बोलीं- पति ने कभी नशा नहीं किया

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात की मंत्री रिवाबा जडेजा ने कहा है कि उनके पति ने आज तक किसी भी तरह का नशा नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ी नशे की लत में पड़ जाते हैं, लेकिन जडेजा ऐसा कुछ नहीं करते। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिवाबा ने कहा कि जडेजा लंदन, दुबई और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में खेलने के लिए जाते हैं, लेकिन उन्होंने कभी किसी नशे को हाथ तक नहीं लगाया। उनके मुताबिक, बाकी खिलाड़ी ऐसी आदतों में फंस जाते हैं, लेकिन जडेजा हमेशा अनुशासित रहते हैं। उनके इस बयान की खूब चर्चा है। रवींद्र जडेजा ने अपनी प्रेमिका रिवाबा सोलंकी से 17 अप्रैल 2016 को शादी की थी। उनकी शादी गुजरात के राजकोट में एक भव्य समारोह में हुई थी, जहां सभी रस्में राजपूत परंपरा के अनुसार निभाई गईं।

मेट्रो बाजार

चांदी 2,793 बढ़कर 1.88 लाख किलो के ऑलटाइम हाई पर

नईदिल्ली. एजेंसी

चांदी 11 दिसंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार चांदी 2,793 रुपए बढ़कर 1,88,281 रुपए किलोग्राम हो गई है। इससे पहले कल ये 1,85,488 रुपए पर थी। इस साल इसकी कीमत 1,00,971 रुपए (117 फीसदी) बढ़ चुकी है। वहीं, रुपया 11 दिसंबर को डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 90.47 पर आ गया है। इससे पहले रुपए ने 4 दिसंबर को 90.43 के स्तर पर ऑल टाइम लो बनाया था। वहीं इस साल अब तक सोने की कीमत 52,434 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,28,596 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,02,264 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,88,281 रुपए प्रति किलो हो गई है। सिंगापुर मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी के कोस्मास मरिनाकिस ने कहा कि चांदी अब सिर्फ निवेश का साधन नहीं रह गया है, बल्कि एक जरूरी भौतिक संसाधन भी है। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को इसकी ज्यादा जरूरत है। इसलिए मांग ब? रही है। इससे कीमतों में लगातार तेजी है।

चांदी के दाम में उछाल की एक और बड़ी वजह है अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड नीतियों के तहत चांदी पर टैरिफ लगने का डर। इस डर से अमेरिकी कंपनियां चांदी का भारी स्टॉक जमा कर रही हैं, जिससे दुनिया के बाकी हिस्सों में कमी हो गई है।

दुनियाभर के मैन्युफैक्चरर अपनी प्रोडक्शन बाधित न हो, इसलिए सप्लाई पक्की करने की होड़ में हैं। यही वजह है कि ग्लोबल मार्केट में कीमतें ऊपर चढ़ रही हैं। आगामी महीनों में चांदी की ऊंची कीमत बनी रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सकेंगे गैर बासमती चावल, निर्यात से प्रतिबंध हटा, मूल्य तय हुआ

नईदिल्ली. एजेंसी

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया है। इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य 490 डॉलर प्रति टन तय किया है। परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर निर्यात शुल्क भी 20 से घटाकर 10 फीसदी किया है। इससे प्रदेश के चावल उद्योग को राहत मिलेगी। प्रदेश में कुछ वर्षों में 200 से अधिक चावल मिल लगे हैं। इससे चीन, यूएस, यूएई एवं यूरोप के देशों में निर्यात बढ़ा है। डीजीएफटी मप्र के संयुक्त निदेशक ने बताया, निर्यात रोक खत्म होने से मप्र के किसानों व निर्यातकों को फायदा होगा। वे न्यूनतम निर्यात मूल्य से अधिक पर बेच सकेंगे।

इधर, तुवर दाल की कीमतों में गिरावट

किराना बाजार में शकर और खोपरा गोला के भाव में तेजी दर्ज की गई। ट्रक भाड़े बढ़ने के साथ कोटा कम आने के कारण शकर की कीमतों में तेजी आई है। नारियल ऊंचे भाव पर मांग कमजोर रही। वहीं आयातित मालों में बिकवाली का दबाव बढ़ने व ग्राहकी का अभाव बना रहने से तुवर की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। तुवर दाल में उठाव न के समान बना रहने से तुवर में दाल मिलर्स की लिवाली ठंडी बनी हुई है जिस कारण तुवर की कीमतों पर दबाव बना हुआ हुआ है। आयातकों की बिकवाली का दबाव बढ़ने आगे भी भाव घटने की संभावना है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सह कलाकारों के काम को देखकर घबरा गई थीं तृप्ति, बोलीं- विक्की से 3 दिन तक नहीं की थी बात

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बैड न्यूज और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के अपने सह कलाकारों को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। तृप्ति ने कहा कि विक्की कौशल के काम को देखकर उन्होंने तीन दिन तक उनसे बात नहीं की थी। उन्होंने कहा राजकुमार राव बड़ी आसानी से अपने किरदार में ढल जाते हैं। तृप्ति ने राजकुमार और विक्की कौशल के साथ काम करने को लेकर अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि अपने सह कलाकारों के काम और तरीके को देख वह घबरा गई थीं। उन्होंने सेट पर कुछ दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी।

अभिनेत्री ने बताया कि 'बैड न्यूज' की शूटिंग के दौरान वह कुछ घबराहट और परेशानी महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री ने तीन दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी। अभिनेत्री ने 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' की शूटिंग के दौरान राजकुमार के साथ काम किया है। उनके साथ हुए अनुभव पर तृप्ति डिमरी ने बताया कि राजकुमार राव एक ही बार में दो पेज का मोनोलॉग पढ़ सकते हैं। वह लिखी हुई लाइनों को नएपन के साथ बोलते हैं। अपने किरदार में आसानी से ढल जाते हैं राजकुमार राव तृप्ति डिमरी ने कहा कि विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की शूटिंग में पूरी तरह से कॉमेडी थी।

तृप्ति को एक्टिंग करना लगता था मुश्किल

तृप्ति डिमरी ने 2018 में इम्तियाज अली की 'लैला मजनू' से बॉलीवुड में एंट्री ली. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास नहीं चली, लेकिन उनकी एक्टिंग को सराहना मिली. उन्हें एक्टिंग करना मुश्किल लगता था। अनुष्का शर्मा के प्रोडक्शन की नेटफ्लिक्स फिल्म 'बुलबुल' ने फेम तक पहुंचा दिया. उनकी अदाकारी और स्क्रीन प्रेज़ेंस की चर्चा हुई.'काला' में तृप्ति डिमरी ने फिर साबित किया कि वह इमोशनल रोल्स की मास्टर हैं. इस फिल्म ने उन्हें नई पीढ़ी की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया.

ऐश्वर्या संग तलाक पर पहली बार अभिषेक बोले- हमदोनों एक-दूसरे की सच्चाई जानते हैं...

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की पर्सनल लाइफ बीते दिनों काफी सुर्खियों में रही। एक ही इवेंट में अलग-अलग पहुंचने से दोनों की तलाक की चर्चा शुरू हो गई थी। लेकिन दोनों ने ही इन खबरों पर अपनी चुप्पी बनाई रखी। अब अभिषेक बच्चन ने बीते दिनों चली इन अफवाहों पर अपना रिएक्शन दिया है। अभिषेक ने बेटी आराध्या को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी इन बातों से कैसे डील करती है। पीपिंग मून को दिए इंटरव्यू में अभिषेक से तलाक की रूमर्स पर सवाल किया गया। जवाब में एक्टर ने कहा- 'पहले वो हमारी शादी कब होगी यह जानना चाहते थे, अब वो तलाक की बात कर रहे हैं। मेरी वाइफ मेरी सच्चाई जानती है और मैं उनकी सच्चाई जानता हूं। हम एक हैप्पी और हेल्दी फैमिली हैं। हमारे लिए बस यही मैटर करता है। इस इंडस्ट्री में पले-बढ़े होने और इसी इंडस्ट्री से वाइफ होने का यही एक फायदा है। मैं विनम्रता और सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि मीडिया अक्सर गलत खबरें चलाती है। मैं सबसे पहले खबर देने के दबाव को समझता हूं लेकिन आप एक इंसान के बारे में बात कर रहे हैं।' अभिषेक ने आगे कहा- मैंने कभी कुछ गलत नहीं किया इसलिए मुझे इधर-उधर सफाई देने की कोई जरूरत नहीं लगती। इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। अगर मुझे लगता है कि कोई बात हद से ज्यादा बढ़ गई है, जैसे कि अगर आप मेरे परिवार के बारे में गलत बातें कर रहे हैं, तो मैं आपको सुधारुंगा।

मन की बात...

शाहरुख खान बोले- मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता

हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। अब हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में फिल्म निर्माता करण जौहर ने अभिनेता से पूछा कि क्या वह कभी अपार्टमेंट में जाने के बारे में क्यों नहीं सोचते। इस सवाल के जवाब में अभिनेता ने जो जवाब दिया, वह लोगों का दिल जीत रहा है। हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, 卐आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, हो ही नहीं सकता ना, क्योंकि मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता। मैं एक्टर्स की सीलिंग हूं, दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। करण जौहर ने शाहरुख से पूछा कि उनके जाने के बाद रोमांस का क्या होगा। अभिनेता ने चुटकी लेते हुए कहा, रोमांस मेरे साथ ही खत्म हो जाएगा। इसके बाद कैमरा अभिनेत्री रानी मुखर्जी पर जाता है, जो लंबे समय से उनकी सहयोगी और करीबी दोस्त हैं, जो उनके बयान पर खुशी जताती नजर आती हैं। इसके बाद फिल्म निर्माता शाहरुख खान से पूछते हैं कि क्या उन्हें लगता है कि वह एक अच्छे डांसर हैं, जिस पर सुपरस्टार कहते हैं, मुझे डांसिंग की जरूरत नहीं पड़ती, पूरी फिल्म इंडस्ट्री मेरे उंगलियों पर नाचती है।

न्यूज विंडो

तेज रफ्तार बस ने ट्रॉला में मारी टक्कर, 22 मजदूर घायल

उधमसिंह नगर। लखीमपुर खीरी से श्रमिकों को लेकर देहरादून जा रही प्राइवेट बस नेशनल हाईवे-74 स्थित ग्राम कनोरा के कट पर सड़क किनारे खड़े ट्रॉला में पीछे से जा टकराई। हादसे में बस में सवार 22 यात्री घायल हो गए, जिन्हें सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस व स्थानीय लोगों की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।राष्ट्रीय राजमार्ग-74 स्थित ग्राम कनौरा में कट के पास ट्रॉला संख्या सड़क किनारे खड़ा था। बताया जाता है कि इसी बीच गुरुवार की मध्य रात्रि करीब 12 बजे रुद्रपुर की ओर से काशीपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस संख्या पीछे से ट्रॉला में जा टकराई।

रोमियो लेन क्लब में एक और विवाद महिला ने लगाया पिटाई का आरोप

पणजी। गोवा के मशहूर वागाटोर इलाके में रोमियो लेन के पास स्थित लूथरा ब्रदर्स की एक बीच शैक उस वक्त जांच के दायरे में आ गई, जब उसके खिलाफ मुंबई की एक महिला और उसके परिवार सदस्यों ने हमला करने का केस दर्ज कराया। आरोप है कि क्लब स्टाफ और बाउंसरों ने मुंबई से आईं 13 पर्यटकों के ग्रुप पर कथित तौर पर रॉड से हमला किया। इस मामले में अंजुना पुलिस ने क्लब मैनेजर अजय कवितकर, स्टाफ जुनैद अली और कई सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ मारपीट, आपराधिक धमकी और महिलाओं से बदसलूकी का केस दर्ज किया है। दरअसल, यह घटना 1 नवंबर की रात की है। मुंबई निवासी वैभव चंदेल नामक महिला ने आरोप लगाया है कि क्लब के कर्मचारियों ने उनसे बदतमीजी से बात की, अनुचित व्यवहार किया और उन्हें रॉड से पीटा। उन्होंने क्लब को घुटन भरा बताया और कहा कि इसमें आने-जाने का सिर्फ एक ही रास्ता है। मुंबई निवासी वैभव चंदेल ने बताया कि वह अपने चचेरे भाईयों के साथ 1

सीजेआई ने लंबित मामलों के बारे में टिप्पणियों पर चिंता जाहिर की, बोले-

मैं बहुत मजबूत आदमी हूं, मुझे धमका नहीं सकते

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कोर्ट के सामने लंबित मामलों के बारे में सोशल मीडिया पर हो रहीं टिप्पणियों पर चिंता जाहिर की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि है इस तरह की टिप्पणियों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। चीफ जस्टिस पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जो उनके खिलाफ जारी रेप केस के ट्रायल्स को ट्रांसफर कराने का अनुरोध कर रहे हैं।

सीजेआई ने कहा कि न्यायिक सवाल दोनों पक्षों की दलीलों की ताकत जांचने के लिए किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात को समझे बगैर लोग नतीजे निकाल लेते हैं और सुनवाई के दौरान पूछे गए कुछ सवालों के आधार पर कार्यवाही के बारे में कहानियां गढ़ लेते हैं। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया या कैसे भी... लेकिन मैं इन सबसे बिल्कुल प्रभावित नहीं होता हूं। अगर किसी को लगता है कि वह मुझे डरा धमका सकते हैं... तो वो गलत है। मैं बहुत मजबूत आदमी हूं।' कोर्ट ने दो आपराधिक मामलों की सुनवाई को शहर की किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। रेवन्ना ने याचिका में पक्षपात को आधार बनाया था।

जापान में 6.7 का जोरदार भूकंप, तटीय इलाकों में सुनामी का अलर्ट

टोक्यो। जापान में आज सुबह फिर तेज झटके महसूस किए गए। समुद्र में आया 6.7 मैग्नीट्यूड का भूकंप इतना जोरदार था कि तटीय इलाकों से लेकर दूर बसे शहरों तक धरती हिल गई। भारतीय समय के मुताबिक यह भूकंप सुबह 8:14 बजे आया। इसकी गहराई 10.7 किलोमीटर थी, जो इसे खतरनाक बनाती है। भूकंप तट के करीब आया, और झटकों की तीव्रता देखकर कई जगह लोग घरों से बाहर भागते दिखे। दुकानों और दफ्तरों में अलार्म बजा दिए गए।

इंदौर में निकली रणजीत हनुमान प्रभातफेरी: ठंड में उमड़ा आस्था का सैलाब

रामायण आधारित झांकियों के साथ चला बाबा रणजीत का रथ

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र से आज सुबह चार बजे रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी निकली, जिसमें दो लाख से अधिक लोगों जुटे। कड़ाके की ठंड के बावजूद भक्तों की ऊर्जा कम होने का नाम नहीं ले रही थी। चारों तरफ भगवा पताकाएं, भजन गाती मंडलियां, भक्ति में डूबे लोगों का हुजूम सड़क पर नजर आया।

रात से ही रणजीत हनुमान मार्ग पर प्रभातफेरी की तैयारियां शुरू हो गई थीं। सुबह 32वें क्रम पर बाबा रणजीत का रथ था। रथ के आगे भजन मंडल, नृतक दल, नासिक ढोल पर कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे। प्रभातफेरी को लेकर ट्रैफिक और सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम नजर आए। सुबह चार बजे मंदिर परिसर से बाबा रणजीत अ प ने पारंपरिक रथ में सवार होकर निकले। इस दौरान भव्य आतिशबाजी हुई। प्रभातफेरी धीरे-धीरे महूनाका की तरफ बढ़ी। अन्नपूर्णा, दशहरा मैदान, नरेंद्र तिवारी मार्ग होते हुए प्रभातफेरी फिर मंदिर पहुंची। रामायण पर आधारित दो झांकियों का निर्माण कराया गया था। जिसे भक्तों ने खूब सराहा। इसके अलावा 20 से ज्यादा भजन मंडलियां भी प्रभातफेरी में चलीं। प्रभातफेरी में शामिल भक्त नंगे पैर चले। कुछ भक्त झाड़ू भी लगा रहे थे।

पांच सौ पुलिस जवान रहे तैनात: रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी में पांच सौ से ज्यादा पुलिस जवान तैनात रहे। इसके अलावा मार्ग के बड़े भवनों से भी पुलिस जवान निगरानी किए। ड्रोन के जरिए भी पुलिस संदिग्ध लोगों पर नजर रखी। रथ के आसपास भी पुलिस सुरक्षा का घेरा बना रहा। चार किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग से जुड़ी गलियों में भी पुलिस जवान तैनात रहे और गलियों में बैरिकेड लगाए गए थे।

तीन मार्गों पर वाहन थे प्रतिबंधित

प्रभात फेरी के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया था। शुक्रवार सुबह तीन बजे से फूटीकोठी, उषा नगर और अन्नपूर्णा मार्ग पर वाहन प्रतिबंधित रहे। इसके अलावा फूटी कोठी चौराहा से रणजीत हनुमान रोड होकर महुनाका चौराहा तक आवागमन बंद रहा।

38वीं इन्फैंट्री कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का महू में हुआ आयोजन

महू। 38वीं इन्फैंट्री कमांडर्स कॉन्फ्रेंस द इन्फैंट्री स्कूल महू में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम ने की। उप सेना प्रमुख, छह सेना कमांडर्स, सत्रह लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारी तथा चौदह मेजर जनरल रैंक के अधिकारी इसमें शामिल हुए। रेजिमेंटल सेंटर कमांडेंट्स ने भी महू में तथा देशभर के सैन्य स्टेशनों से वर्चुअली भाग लिया।

सम्मेलन में संचालन, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और तकनीकी उन्नयन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। पारम्परिक युद्ध, आतंकवाद विरोधी एवं विद्रोह-रोधी अभियानों में इन्फैंट्री की भूमिका का मूल्यांकन किया गया। भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप इन्फैंट्री की क्षमता बढ़ाने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सम्मेलन के दौरान इन्फैंट्री ने अपनी नवीनतम क्षमताओं का प्रदर्शन किया–प्रहारक क्षमता, गतिशीलता, पारदर्शिता, स्थितिजन्य जागरूकता और जीवटता। उन्नत नयी जनरेशन वेपन एवं इक्विपमेंट सिस्टम के प्रदर्शन से इन्फैंट्री की आधुनिक क्षमताओं में विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ। इस सम्मेलन में वरिष्ठ इन्फैंट्री कमांडर्स एवं युवा कमांडिंग ऑफिसर्स के अनुभव एवं नवाचारपूर्ण सुझावों ने इन्फैंट्री के भविष्य के विकास हेतु ठोस आधार तैयार किया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564